श्रावण शुक्ल - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 24 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 15-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार 15 अगस्त 2024 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2024 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि के विस्तार के लिए करना चाहता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और हम विश्व की तीन शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में स्थान प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने भारत में कथित सामाजिक स्तरों के आधार पर कलह को बढ़ावा देने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करने का आह्वान भी किया।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि के विस्तार के लिए करना चाहता है।

78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संदेश में राष्ट्रपति ने इस सफलता का श्रेय किसानों और श्रमिकों की अधिक मेहनत और उद्यमियों की दूरगामी सोच के साथ ही देश के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि तेज गति से हो रही 'न्याय-परक प्रगति' के बल पर वैश्विक परिदृश्य में भारत का कद ऊंचा हुआ है और जी20 की अपनी अध्यक्षता के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के बाद उसने 'ग्लोबल साउथ' को मुखर अभिव्यक्ति देने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत बनाया है।

संविधान निर्माता बाबा साहब आंबेडकर के शब्दों को उद्धृत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हमें अपने राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना चाहिए और राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं टिक सकता जब तक कि उसके आधार में सामाजिक लोकतंत्र न हो। उन्होंने कहा, राजनीतिक लोकतंत्र की निरंतर प्रगति से सामाजिक लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में की गई प्रगति की पुष्टि होती है। समावेशी भावना, हमारे सामाजिक जीवन के हर पहलू में दिखाई देती है। अपनी विविधताओं और बहुलताओं के साथ, हम एक राष्ट्र के रूप में, एकजुट होकर, एक साथ, आगे बढ़ रहे हैं।

राहुल नवीन को ईडी का निदेशक नियुक्त किया गया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यवाहक प्रमुख राहुल नवीन को बुधवार को जांच एजेंसी का पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया गया। एक आदेश में इसकी जानकारी दी गई है। कैबिनेट की नियुक्ति संबंधी समिति की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि आयकर संवर्ग के 1993 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी नवीन की नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक के लिए की गई है। नवीन (57) को नवंबर 2019 में ईडी में विशेष निदेशक नियुक्त किया गया था। पिछले साल 15 सितंबर को संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल खत्म होने के बाद नवीन को ईडी का कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किया गया था। अंतरराष्ट्रीय कराधान मामलों के विशेषज्ञ नवीन के ईडी का कार्यवाहक प्रमुख रहते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अलग-अलग धन शोधन मामलों में गिरफ्तारी हुई।

ओलंपिक से अयोग्य करार दिये जाने के खिलाफ विनेश की अपील खारिज

पेरिस/भाषा। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की ओलंपिक रजत पदक पाने की उम्मीदें बुधवार को ध्वस्त हो गई जब ओलंपिक फाइनल से पहले सौ ग्राम वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिये जाने के खिलाफ उनकी अपील खेल पंचाट (सीएएस) के तदर्थ प्रभाग ने खारिज कर दी और आईओए ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है । 29 वर्ष की विनेश को पिछले सप्ताह महिला 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल से पहले अयोग्य करार दिया गया था क्योंकि उनका वजन निर्धारित सीमा से सौ ग्राम अधिक था । फैसला सुनाने के लिये समय सीमा 16 अगस्त तय की गई थी लेकिन एक पंक्ति के बयान में यह फैसला आज शाम ही आ गया । इसमें कहा गया ,'' खेल पंचाट के तदर्थ प्रभाग ने यह फैसला दिया है : विनेश फोगाट द्वारा सात अगस्त 2024 को की गई अपील खारिज की जाती है ।''

सेना का कैप्टन शहीद, आतंकी ढेर

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में बुधवार को एक अभियान के दौरान आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन शहीद हो गए और एक आतंकी मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले हुई इस मुठभेड़ में एक नागरिक भी घायल हो गया।

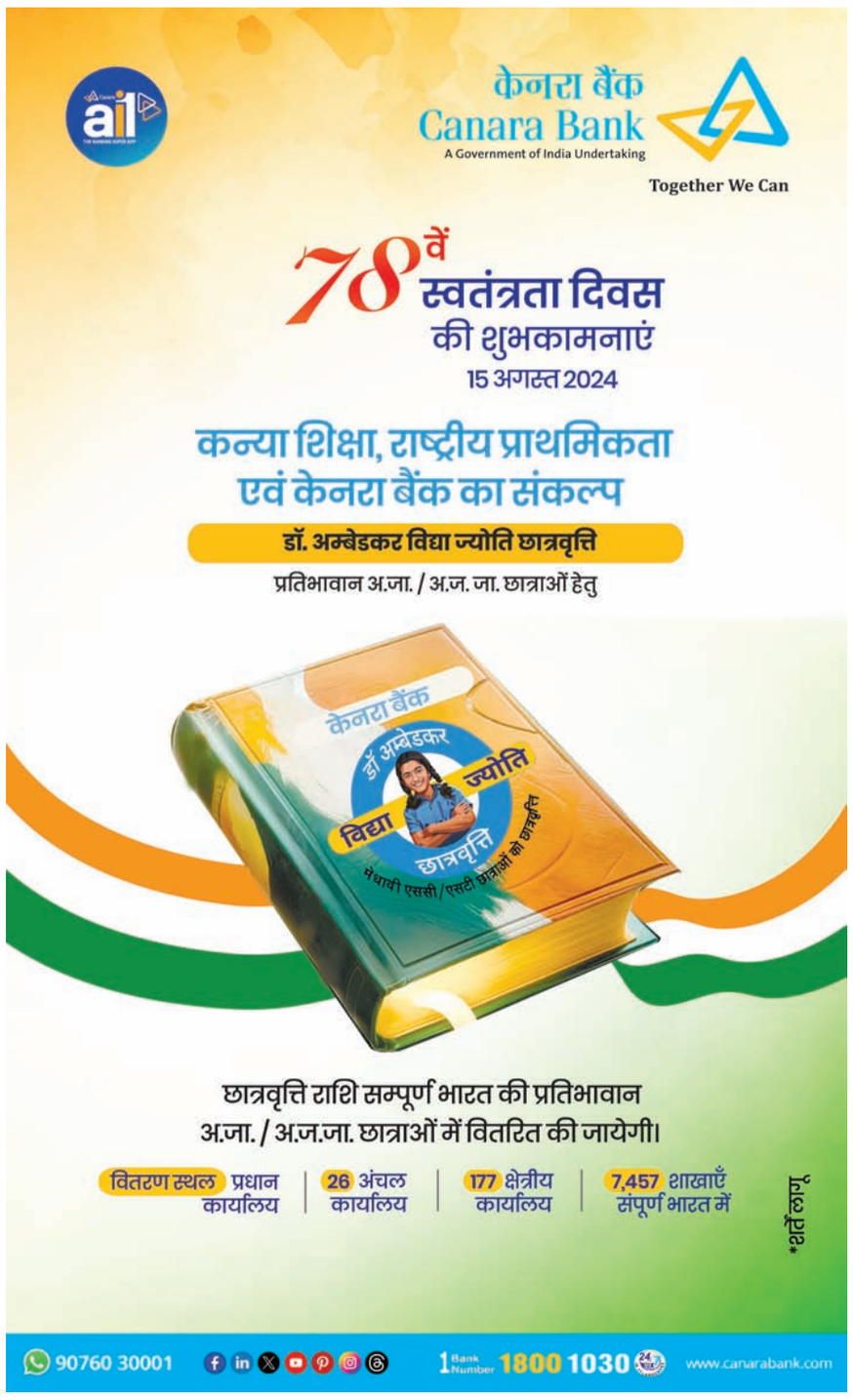

प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में 16 अगस्त से तीन दिवसीय हाई लाइफ प्रदर्शनी में दूल्हा और दूल्हन के लिए सभी कलेक्शन उपलब्ध होंगे। बेंगलूरु के ताज वेस्ट एण्ड होटल में होने जा रही हाई लाइफ ब्राइड्स भारत का सबसे बेहतरीन ब्राइडल शोकेस है जिसे हाई लाइफ प्रदर्शनी द्वारा लाया गया है। इस नवीनतम विवाह संस्करण में, यह शादी के परिधान, दुल्हन के लिए ज़रूरी सामान और आभूषणों के शीर्ष ब्रांडों के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करता है, जहाँ वे प्रतिष्ठित स्थानों पर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकते हैं। शादी के लिए यह बहुत ही उपयोगी प्रदर्शनी होगी।

मोक्ष पाने की पहली सीढ़ी है नवकार मंत्र : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में राजेशमुनिजी ने कहा कि हमें हीरे के समान मिले इस मनुष्य जीवन को व्यर्थ नहीं जाने देना है। सत्संग की गंगा में डुबकी लगाकर संसार सागर से पर जाने के लिए सिद्धत्व अवस्था को पाना है। यह कार्य इस मनुष्य जीवन में ही संभव है। हमें कषायों से ऊपर उठकर उन्हें शांत करते हुए अपने आत्मस्वरूप को पाना है।

नवकार मंत्र मोक्ष पाने की पहली सीढ़ी है। वह यदि हमारे रग रग में बस जाए फिर उसके सहारे गुरु सान्निध्य, देव, गुरु की आज्ञा में रहकर अपने मद को शून्य करते हुए आत्म स्वरूप को पाना है। मुनि ने कहा कि जब तक मद जिंदा रहेगा हम केवल ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते। गुरु अपने शिष्यों के लिए ज्ञान, दर्शन और चरित्र रूपी तीन लक्ष्मण रेखाएं खींचते हैं। इस रेखा के अंदर ही अपनी आत्मा का कल्याण का लक्ष्य रखना है। शिष्य इसका उल्लंघन करने की चेष्टा नहीं करें ताकि हम प्रभु में लीन रह सकें। संतों के सान्निध्य से हमें शांति, समाधि और सद्भावना की प्राप्ति होती है। संतों का लक्ष्य भक्तों के आत्म रंजन का होता है,मनोरंजन का नहीं।

ऋषभमुनिजी ने कहा कि गुरु हमारे जीवन में कभी साथी तो कभी मांझी बनकर सही राह दिखाते हैं। गुरु ही शिष्य के लिए मोक्ष रूपी सीढ़ियों का निर्माण करते हैं और उसे मोक्ष के द्वार तक पहुंचाते हैं। गुरु के सानिध्य में ही शिष्य का कल्याण संभव है। नवयुवक मंडल से बसंत बेताला, विनीत मुथा, वचन चोपड़ा, सुशील धारीवाल, दिलीप मुथा ने व्यवस्था में सहयोग दिया। संघ के अध्यक्ष धनरूपचंद मेहता ने स्वागत किया। संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने रेफ़रल वी-कनेक्ट के तहत किया प्रथम ऑफिस दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा संचालित जीतो बिज़नेस नेटवर्क वीमेन रेफ़रल वी-कनेक्ट का प्रथम ऑफिस दर्शन आशा बांठिया के अर्बन दीवा प्रतिष्ठान में आयोजित हुआ। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने कहा कि एक महिला अपने जीवन में कई भूमिकाएँ निभाती है और अपनी शक्ति को साकार करने की यात्रा में उसकी क्षमता कभी नहीं रुकती है। एक उद्यमी बनने के लिए एक महिला के संघर्ष और बाधाओं को पार करके स्वयं की स्वतंत्र पहचान बनाती है। अर्बन दीवा की संस्थापिका आशा बाँठिया अपने गृहिणी से व्यवसायी बनने के सफ़र को साझा करते हुए कहा कि एक विवाहित महिला के लिए उसके परिवार का साथ सबसे पहले आता है। उनके इस कार्य में घर, परिवार का तन-मन-धन से सहयोग प्राप्त हुआ। उन्होंने अपनी विकास यात्रा की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में सभी का आपसी परिचय हुआ। कुछ मनोरंजक प्रतियोगिता हुई। कार्यकारिणी सदस्य मीना बडेरा, मधु दुधेड़िया, सुनीता बोरन्दिया, जेबीएन से सुशीला श्रीश्रीमाल, मीना जैन, सुखदेवी जैन, संगीता श्रीश्रीमाल उपस्थित थीं। रेफ़रल हेड सुमन रांका ने सभी का स्वागत किया और कहा कि प्रथम कार्यालय दर्शन द्वारा समान विचारधारा वाले उद्यमियों के साथ नेटवर्क बढ़ेगा। एक-दूसरे के अनुभवों से सीखेंगे। रेफ़रल उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने कहा कि साथ जुड़कर, आप न केवल अपना विकास बढ़ाएंगे बल्कि हमारे जेबीएन समुदाय की सामूहिक सफलता में भी योगदान देंगे। रेफ़रल मंत्री सीमा शाह ने संचालन किया और धन्यवाद दिया।

तेरापंथ सभा हनुमंतनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा ट्रस्ट एचबीएसटी हनुमंतनगर का दायित्व बोध ग्रहण समारोह का आयोजन गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष तेजमल सिंघवी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतम दक को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। तत्पश्चात गौतम दक ने अपनी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की घोषणा की। उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, मुकेश मेहता व गौतम कातरेला, मंत्री हेमराज मांडोत, सहमंत्री राजेश मारु व आर महावीर देरासरिया, कोषाध्यक्ष नाथुलाल बोल्या, संगठन मंत्री नवरतन बोहरा एवं संरक्षक मूलचन्द नाहर, परामर्शक शंकरलाल बोहरा, रोशनलाल मांडोत, अमरचंद मांडोत, प्रकाशचंद देरासरिया, उदयलाल कटारिया, बालचंद चावत, लक्ष्मीलाल कटारिया के नाम की घोषणा की।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि हर संगठन का आधार अध्यात्मिकता होनी चाहिए। जिस संगठन में अध्यात्मिकता नहीं है केवल नाम, यश, प्रसिद्धि है वह संगठन लंबा तो चल सकता है पर सफल नहीं बन सकता है। बहुत बार परिस्थितियां अनुकूल नहीं होती है लेकिन व्यक्ति के मन में यह भाव होने चाहिए। प्रवचन सुनकर भगवान की वाणी को आत्मसाध करना है। कार्य संपादित करने का जिम्मा होता है। लेकिन जिस संगठन में अध्यात्मिकता है, साधु संतों के प्रति अहोभाव है, गुरु दृष्टि के इंगित की पालना का दृढ़ संकल्प है उस संगठन में सफलता के द्वार अपने आप खुलते जाते है। साध्वीश्री ने सम्पूर्ण टीम के प्रति आध्यात्मिक मंगलकामना की इस अवसर पर मूलचन्द नाहर एवं ललित मांडोत ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महासभा आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढा, गांधीनगर सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली, तेरापंथ सभा ट्रस्ट गांधीनगर अध्यक्ष प्रकाश बाबेल,यशवंतपुर सभाध्यक्ष गौतम मुथा, टी दासरहल्ली सभाध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, तेयुप हनुमंतनगर अध्यक्ष कमलेश झाबक, अभातेमम से शशि नाहर, हनुमंतनगर महिलामण्डल अध्यक्ष सरोज दुगड़ सहित संपूर्ण श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन हरकचंद ओस्तवाल ने किया।

रसनेन्द्रियों के साथ प्रमादों पर भी नियंत्रण जरुरी : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने कहा कि मन को जीत लेने पर पांचों इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने के बाद प्रमाद पर, अव्रतों पर विजय प्राप्त कर सकते है। मन को वश में कर इन्द्रियों को शिक्षित बनाना है। नयन को कहना जहां जहां तेरी दृष्टि जाए वहां पर सद्गुणी ही देखना, कान से जो जो भी सुनना है उसने जीवन के लिए प्रकाश किरण लेना है। वाणी से जब भी बोलो तो मिश्री सी मिठास घोल देना। साध्वी धैर्याश्री जी ने कहा कि स्वप्न और मेहनत ये दोनों ही लंबे समय तक रहने वाले नहीं होते। सुख स्वप्न और दुःख मेहमान है, इसलिए इन दोनों के अंदर अपने मन को डावा डोल मन बनाओ। सुख दुःख को चार भागो में बांटा गया है, जन्म, जरा, रोग और मृत्यु। उसमें भी सुख दो भागों में बांटा गया है, वस्तुनिष्ठ और आत्मनिष्ठ सुख।

सच्ची शांति व सुख के लिए ज्ञान की साधना सर्वोपरि : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि आत्मा के भीतर ही ज्ञान है। लेकिन आत्मा पर लगा अज्ञान रूपी कर्मों का आवरण लगा होने से वो आत्मा में रहे ज्ञान को प्रकट नहीं होने देता है। दान के अनेक रूपों में विद्या दान को भी गिना गया है।

परिवार समाज, राष्ट्र आध्यात्मिक, सामाजिक और व्यावसायिक तथा शैक्षणिक हर क्षेत्र में ज्ञान की अहम भूमिका है। ज्ञानियों ने ज्ञान को तीसरा नेत्र कहा है। बिना ज्ञान के मनुष्य आंखें होते हुए भी अंधे के समान बतलाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि बिना ज्ञान के मनुष्य संसार में प्रगति नहीं कर सकता हैं। सच्ची शांति व सुख के लिए ज्ञान की साधना सर्वोपरि हैं। विद्या दान के महत्व को परिभाषित करते हुए साध्वी श्री ने कहा कि किसी अभावग्रस्त जरूरतमंद विद्यार्थी की स्कूल फीस भरकर उन्हें नोटबुक पेन, पोन्सल, गणवेश तथा शैक्षणिक सामग्री किताबें आदि में सहयोग कर उन्हें बैंक शैक्षणि उपलब्ध कराना यह भी दान का एक प्रकार हैं जो आपके जीवन में पुण्यवानी का बंध कराता है। अवश्य ही हमें इस विद्यादान के यज्ञ में अपने अतः सहयोग प्रदान करने के लिए आगे रहना चाहिये।

प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि दान तीन प्रकार का होता है, अभयदान, सुपात्रदान और अनुकम्पादान। मरते हुए प्राणी के प्राणों की रक्षा करना और भयभीत प्राणी को भय से मुक्त करता अभयदान हैं। पाँच महाव्रती साधु साध्वी को दान देना श्रेष्ठ सुपात्रदान हैं। व्रतधारी श्रावक को दान देना मध्यम सुपात्रदान है तथा समकिती को दान देना जधन्य सुपात्रदान हैं।

साध्वी श्री ने ठाणांग सूत्र में वर्णित दस अनुकम्पा, भय, लज्जा दान आदि 10 प्रकार के दानों पर संक्षिप्त विवचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि दयाभाव से करुणा भाव से प्रेरित होकर दीन-दुःखी, निर्धन, असहाय की दान देना अनुकम्पा दान कहलाता है। अभयदान व सुपात्रदान कर्मनिर्जरा का स्वरूप होता है तथा अनुकम्पा दान पुण्य बन्ध का कारण होता हैं। लाचारीपूर्वक या अहंकार भाव से व्यक्ति को दान नहीं देना चाहिए। आपके कमाए धन में अनेक मूक पशुओं का भी हिस्सा रहता हैं। गुरुवार 15 अगस्त को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर श्री धर्मप्रभाजी का राष्ट्रभक्ति विषय पर विशेष प्रवचन रहेगा। प्रवचन के पश्चात ध्वजारोहण का कार्यक्रम होगा। संचालन सहमंत्री रमेश गुंदेचा ने किया ।

स्व कल्याण के लिए चेतन्य आत्मा को दे महत्त्व : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

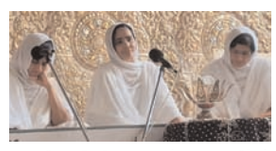

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में मुनिश्री साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमने पदार्थों और पद को महत्व दिया है, लेकिन उस पदार्थ के अन्दर रही हुई चेतन आत्मा को महत्व नहीं देते हैं। सम्मान मिले या अपमान मिले लेकिन अपने जीवन का मान हमें नहीं खोना है। संसार में कंकर भी होते हैं और रत्न भी होते हैं लेकिन हमें जिनशासन के रत्न बनकर जीवन को अति उत्तम बनाना है। अनेक भव्य आत्माओं ने ग्लान साधु साध्वी जी भगवन्तों की वैयावच्च सेवा करते करते 'जिन' नाम कर्म का भी बंध कर लिया है। बीस स्थानक तप की आराधना से तीर्थंकर नाम कर्म का उपार्जन होता है। पक्के और बड़े घर बनाना ही अपनी प्रसिद्धि का द्योतक नहीं है बल्कि कच्चे घर में भी अपने पूर्वजों के नाम को प्रसिद्ध करते हुए जिनशासन के कार्य और सेवा करते रहें। सम्यक् दर्शन जिनके जीवन में उतर जाता है वो अपनी सम्पत्ति और द्रव्य का दुरुपयोग नहीं करते हैं। परमात्मा द्वार पर जब भी जाओ तब खाली हाथ नहीं बल्कि हाथ भरे हुए जाना चाहिए, जो भरे हाथ जाते हैं उनकी किस्मत भी सद्पुण्य से भरी हुई रहती है। देवाधिदेव के अचिंत्य पुण्य से हमें परमात्मा से कुछ भी मांगना नहीं पड़ता है बल्कि सब कुछ परमात्मा के पुण्य प्रताप से ही मिल जाता है। दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिनालय के समक्ष ध्वजारोहण किया जाएगा।

जेएसपी श्रीश्रीमाल फाउंडेशन का राष्ट्रभक्ति गीत कार्यक्रम आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जेएसपी श्रीश्रीमाल जैन फाउंडेशन द्वारा 15 अगस्त को शाम 5 बजे से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अम्बेड़कर भवन में धर्मार्थ सेवा के साथ सुप्रसिद्ध गायकों द्वारा राष्ट्र भक्ति गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संस्थापक ट्रस्टी महेन्द्र श्रीश्रीमाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में भारतीय सेना के उच्चाधिकारियों की विशिष्ट उपस्थिति होगी।

मैसूरु में संतों के सान्निध्य में हुआ जैन आगम कॉमर्स कॉलेज का भूमिपूजन

'पापकार्य कर भगवान, गुरु व धर्म से सुरक्षा की कामना करना बेमानी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में श्रद्धालुओं को पुण्य-पाप व धर्म-अधर्म के यथार्थ को समझाते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वर्तमान विश्व के विभिन्न घटनाक्रम हमारे लिए बहुत गहरी प्रेरणा है। सत्वहीन और पाप से भारी व्यक्ति को कभी धर्म साधना, मानवता या सत्कार्य करने का मन नहीं होता। वह प्रपंच कर लेगा, पर प्रवचन नहीं सुनेगा। समय को बर्बाद कर देगा, लेकिन श्रेष्ठता को हांसिल करने का प्रयत्न नहीं करेगा।

नियति का यह खेल समझने जैसा है। जब सद्भाग्य का उदय होता है यानी जीवन हल्का बनता है, तब मनुष्य के कदम अच्छे कार्य के लिये आगे बढ़ते हैं। आचार्य विमलसागरजी ने कहा कि किसी वस्तु का क्षेत्रफल भले ही बड़ा हों, लेकिन अगर वह हल्की है तो पानी में तैरेगी और जिसका क्षेत्रफल भले ही छोटा हो, पर उसका घनत्व यदि भारी है तो वह डूब जायेगी। जीवन के साथ भी यही सिद्धांत काम करता है। अगर हमारा जीवन पापकार्यों-अपराधों से भारी बना है तो उसे डूबने से कोई बचा नहीं सकता। वहां भगवान, गुरु, धर्म, मित्र, डॉक्टर या हथियार, कोई काम नहीं आ सकते। ऐसी सौदेबाजी भाग्य और प्रकृति के साथ नहीं हो सकती। इसी तरह यदि हम पुण्यकार्यों से हल्के बने हैं तो हम संसार सागर को आसानी तैर सकते हैं। कोई धमकी, सत्ता षडयंत्र या शक्ति हमें डुबो नहीं सकती। इस शाश्वत सत्य को सदैव स्मरण में रखना चाहिये कि यदि हम अनापसनाप पापकार्य कर भगवान, गुरु अथवा धर्म से सुरक्षा की कामना करते हैं तो वह अज्ञानतापूर्ण और हास्यास्पद हैं।

ऐसी कामनाएं सफल नहीं होगा। जीवन को हल्का बनाना ही सुख-शांति और उन्नति के लिए आवश्यक शर्त है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने जानकारी दी कि गुरुवार को 78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी एवं गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में राजस्थान व गुजरात समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से मनाया जाएगा। जैन चेरिटेबल ट्रस्ट और कल्याण मित्र वर्षावास समिति के तत्वावधान में आयोजित हो रहे इस राष्ट्रीय पर्व को जीतो मैसूर चैप्टर प्रायोजित कर रहा है।

जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रवीण दांतेवाड़िया ने बताया कि बुधवार को डॉ. आंबेडकर नगर में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में जैन आगम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। विद्या दृष्टि एज्युकेशन ट्रस्ट के हिमांशु आच्छा और नीतिन पगारिया ने वस्तु पूजन, नवग्रह पूजन और शांति कलश का विधान किया। इस अवसर पर विधायक जीटी देवेगौड़ा और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने हनुमानमल संजय, मनोज बैद परिवार के सौजन्य से कास्यपुरा गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल रामनगर के स्कूली बच्चों को नोट बुक्स व अन्य पाठ्य सामग्री वितरित की गई। परिषद अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़, समिक दुगड़ ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

अदालत ने अभिनेता दर्शन थुगुदीपा एवं अन्य की न्यायिक हिरासत 28 तक बढ़ाई

बेंगलूरु। यहां की एक अदालत ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपियों-- कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा और अन्य की न्यायिक हिरासत बुधवार को 28 अगस्त तक बढ़ा दी। दर्शन और पवित्रा समेत सभी 17 आरोपियों को उनकी न्यायिक हिरासत बुधवार को समाप्त हो जाने के बाद बेंगलूरु और तुमकुरु की जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

कामाक्षीपाल्या पुलिस के रिमांड आवेदन के बाद न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ायी गयी। पुलिस ने अपनी जांच जारी रखने के लिए अधिक समय देने का अनुरोध किया था। अधिकारियों का दावा है कि सभी आरोपियों के अपराध से जुड़े होने के पुख्ता सबूत मौजूद हैं और मौजूदा जांच में उनकी संलिप्तता की पड़ताल की जा रही है। अपराध स्थल से एकत्र अहम वैज्ञानिक सबूत को अपराध विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेजा गया है लेकिन अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार ऐसी आशंका है कि मृतक के परिवार को धमकी दी जा सकती है जिससे मामले की निष्पक्षता पर आंच आ सकती है। अधिकारियों का कहना है कि अतिरिक्त एफएसएल रिपोर्ट तथा केंद्रीय अपराध विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) से और सूचनाएं मिलने से जांच को बल मिलने की उम्मीद है।

'परिधि' महिला संस्था ने मनाई हरियाली तीज व सावन सिंजारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मारवाड़ी सम्मेलन परिधि महिला संस्था की 45 सदस्याओं ने अध्यक्ष माया अग्रवाल व सलाहकार मंजू अग्रवाल के नेतृत्व में देव दर्शन, तीज (सिंजारा) उत्सव व वनभोज का आयोजन किया। सचिव शालिनी अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। सदस्याओं ने सोमनाथपुरा, श्रीरंगपटम, निमिश्म्बादेवी मंदिर, वेणुगोपाल मंदिर के दर्शन किए तथा हरियाली तीज मनाई। सभी सदस्याओं को उपहार दिए गए। भजन गायक स्वाति शर्मा के भजनों की प्रस्तुति दी तथा सदस्याओं ने खूब आनंद उठाया। महिला परिधि की कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया, उत्सव संयोजिका लता चौधरी, पल्लवी पोद्दार, अंजू अग्रवाल,निर्मला गोयल, पूजा अग्रवाल, रीतू अग्रवाल हेमलता अग्रवाल, कविता गर्ग ने यात्रा और उत्सव का पूरा कार्यभार संभाला।

मैत्रीमय व्यवहार ही मानव जीवन की सफलता : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामायिक व्रत आवश्यक (प्रतिक्रमण) करने की भूमिका-पीठिका मानी गयी है। विशेष आवश्यक भाष्य में श्रावकों को प्रेरणा देते हुए जिनभद्र मणिक्षमा श्रमण 12 वीं शताब्दी में कह गए कि है। श्रावक को सावद्य योगों का त्याग करने की प्रवृत्ति बढ़ाना चाहिए। सामायिक के भावों में विषमता उग्र द्वेष नहीं जागना चाहिए। समता के बादलों के शीतल पानी की वर्षा से कषाय रूपी गर्मी शांत हो, तब समझना कि भीतर में सामायिक ने प्रवेश किया। प्रवचनों में संख्या कम हो या ज्यादा, तपस्या कम हो या ज्यादा, इन सभी प्रतिकूल अनुकूल परिस्थितियों में संयमियों को पूर्ण समतामय नैसर्गिक सहजता युक्त व्यवहार ही रखना चाहिए। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
बिकाऊ

FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

FLATS FOR SALE
PURVA
BLUBELLE
Adjacent to Magadi
road Metro station
Rajajinagar Centre of
the City
3 bedroom & Exclusive
5 bedroom Flats +
servant room with all
luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

रामलला की मूर्ति बनाने वाले अरुण योगीराज को नहीं मिला अमेरिका का वीजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज अमेरिकी वीजा प्राप्त करने में असफल रहे हैं। उनके परिवार के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अयोध्या के राममंदिर में स्थापित रामलला की मूर्ति बनाने वाले मैसूरु के योगीराज (41) को इस महीने के आखिर में 20 दिनों के लिए अमेरिका जाना था। उनका वर्जीनिया के रिचमंड में 12 वें अक्का (एसोसिएशन ऑफ कन्नड़ कूटास ऑफ अमेरिका) विश्व कन्नड़ सम्मेलन में हिस्सा लेने का कार्यक्रम था। वह अमेरिका में कुछ अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेने वाले थे। परिवार के एक सदस्य ने कहा, ''उन्होंने वीजा के लिए आवेदन दिया था, सारे कॉलम भरे थे, जरूरी दस्तावेज दिये थे लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया। कारण ज्ञात नहीं है।''

पुलिस ने कुख्यात बदमाश की हत्या में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया

मंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मंगलुरु में 35 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या के संबंध में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि हत्या में इस्तेमाल हथियार और गाड़ी को भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, जिले के उल्लाल में 11 अगस्त 2024 की रात लगभग 10 बजे पांच हमलावरों ने धारदार हथियारों से एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि मृतक की पहचान कुख्यात अपराधी समीर अली के रूप में हुई थी। उन्होंने बताया कि इस हत्याकांड के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद नौशाद (26), नियाज (23), तन्नीर तन्नु (27) और मोहम्मद इस्ताल उर्फ इक्कू (28) के रूप में हुई है। पुलिस मामले में पांचवें आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस ने बताया कि मृतक समीर के खिलाफ उल्लाल थाने में नौ आपराधिक मामले दर्ज थे।

प्रेमिका को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी के खिलाफ मामला खारिज करने से अदालत का इनकार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उस व्यक्ति के खिलाफ आरोपों को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी है जिस पर अपनी प्रेमिका को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। कोडागु के कुशालनगर निवासी कुमार द्वारा दायर मामले की समीक्षा न्यायमूर्ति के. नटराजन वाली एकल पीठ ने की और प्रस्तुत साक्ष्यों एवं दलीलों पर विचार करने के बाद याचिका खारिज कर दी। यह मामला मृत युवती के पिता के. एस. कांताराजू की शिकायत से शुरू हुआ।

अवैज्ञानिक विकास और पर्यावरण क्षरण के कारण बढ़ रहीं भूस्खलन की घटनाएं : पर्यावरणविद हेगड़े

श्रृंगेरी/दक्षिण भारत। पर्यावरणविद और लेखक डॉ. कल्कुली विट्ठल हेगड़े ने कहा है कि विकास के अवैज्ञानिक तरीके और पहाड़ियों की संरचनात्मक अखंडता के प्रति कम सम्मान हाल ही में शिरूर और वायनाड में भूस्खलन की घटनाओं के कारणों में शामिल हैं। कर्नाटक के मलनाड क्षेत्र में पर्यावरण के लिए आंदोलन चला रहे हेगड़े ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में पश्चिमी घाटों में भूस्खलन और अनियमित बारिश में वृद्धि पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग और गैर-जिम्मेदार विकास मॉडल के परिणामस्वरूप पश्चिमी घाट के दोनों ओर ऊपरी मृदा का बहुत अधिक क्षरण हुआ है, जो दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य का एक मापदंड है। हेगड़े ने कहा, हमें 2020 से ही अरब सागर के पश्चिमी तटीय क्षेत्र में चक्रवातों की अस्पष्ट घटनाओं के बारे में पहले से ही चेतावनी दी गई थी। लेकिन हम संकेतों को नजरअंदाज करते रहे और अब हर दूसरे साल सामान्य मानसून की तुलना में पर्याप्त और अधिक बारिश होती है और कोडागु, वायनाड, तटीय क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र में पश्चिमी घाट की ढलान जैसे कुछ क्षेत्रों में बारिश की मात्रा में वृद्धि भयावह है। उन्होंने कहा, उत्तर कन्नड़ के शिरूर और केरल के वायनाड में पिछले महीने यही हुआ।

खरीददारी

बेंगलूरु में गुरुवार को वरमहालक्ष्मी व्रत से पहले, बुधवार को केआर मार्केट में त्यौहार के लिए खरीददारी करते लोग।

निजी कंपनी को बम की धमकी वाला ईमेल निकला फर्जी

बेंगलूरु। बेंगलूरु के पुत्तेनहल्ली स्थित एक निजी कंपनी ब्रॉडकॉम को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। यह ईमेल कंपनी को मंगलवार दोपहर लगभग एक बजे भेजा गया, जिसमें बम विस्फोट की बात कही गई थी। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद कंपनी ने तुरंत पुत्तेनहल्ली पुलिस स्टेशन को सूचित किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की और कंपनी के परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान, विशेषज्ञों द्वारा जांच की गई और पाया गया कि यह बम धमकी वाला ईमेल फर्जी था। इस फर्जी धमकी के कारण किसी प्रकार का खतरा उत्पन्न नहीं हुआ, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कंपनी और आसपास के क्षेत्र की जांच की गई। घटना के संबंध में पुत्तेनहल्ली पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी साउथ ने कहा, कल लगभग 1 बजे एक बहुराष्ट्रीय कंपनी ब्रॉडकॉम को एक धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। विशेषज्ञों द्वारा सत्यापन करने पर यह फर्जी पाया गया। इस संबंध में पुत्तेनहल्ली पीएस में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच जारी है। पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है और इस फर्जी धमकी के पीछे के लोगों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सुरक्षा उपायों को भी मजबूत किया ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। ब्रॉडकॉम कंपनी और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

तिरंगा

बेंगलूरु में गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नृपतुंगा रोड पर तिरंगे बेचते हुएए।

बांग्लादेश हिंसा

इंदिरा जैसी कार्रवाई करने में संकोच न करें प्रधानमंत्री : विधायक रिजवान अरशद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल और हिंदू अल्पसंख्यकों पर कथित अत्याचारों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कर्नाटक में कांग्रेस के एक विधायक ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी की तरह निर्णायक सैन्य कार्रवाई करने में संकोच नहीं करना चाहिए। बेंगलूरु के शिवाजीनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रिजवान अरशद ने मोदी को एक पत्र लिखकर 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा की गयी सैन्य कार्रवाई जैसा कदम उठाने का आग्रह किया।

रिजवान अरशद ने मोदी को लिखे अपने पत्र में कहा, ''मैं आज आपको भारत के एक चिंतित नागरिक के रूप में यह पत्र लिख रहा हूं, जो सोशल मीडिया पर प्रसारित हाल की खबरों और वीडियो से बहुत व्यथित है, जिसमें बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल और क्षेत्र में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर प्रकाश डाला गया है।'' उन्होंने उनसे न केवल बांग्लादेश बल्कि भारत में अल्पसंख्यकों की चिंताओं को दूर करने के लिए 'निर्णायक कार्रवाई' करने की भी अपील की, जो 'दक्षिणपंथियों द्वारा आर्थिक और सामाजिक दोनों तरह से 'लगातार हमले' के घेरे में हैं।

कांग्रेस विधायक ने कहा कि यदि ये खबरें सही हैं, तो भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को देखते हुए यह जरूरी है कि भारत इन मुद्दों के समाधान में 'सक्रिय रुख' अपनाए। रिजवान अरशद ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च चिंता

का विषय होना चाहिए, विधायक ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे नयी बांग्लादेशी सरकार के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि उनके अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए तत्काल और प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा, भारत में दक्षिणपंथी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हैंडल ऐसी खबरें प्रसारित कर रहे हैं जो अगर सच हैं (कई फर्जी भी पाई गई हैं), तो मैं भारत सरकार से इन रिपोर्टों/वीडियो की प्रामाणिकता का पता लगाने का आग्रह करता हूं। अगर वे सच साबित होते हैं, तो भारत सरकार को इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

अरशद ने कहा कि भारत के लोग हमेशा न्याय, शांति और मानवाधिकारों की सुरक्षा के पक्ष में खड़े रहे हैं। अपने पत्र में अरशद ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री के रूप में, आपको 1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी की तरह निर्णायक सैन्य कार्रवाई करने में संकोच नहीं करना चाहिए। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस कठिन समय में बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाइयों और बहनों की मदद के लिए अपने सम्मानित पद का उपयोग करें। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में भारत न केवल बांग्लादेश में बल्कि भारत में भी अल्पसंख्यकों की चिंताओं को दूर करने के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगा।

सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र खोलने की इजाजत नहीं : डॉ. शरण प्रकाश पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र खोलने के खिलाफ एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्री का कहना है कि यह निर्णय सरकार की नीति के अनुरूप है, जो गरीब मरीजों को अस्पतालों में मुफ्त दवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है। इसके तहत, अस्पतालों के भीतर औषधि केंद्रों की स्थापना गरीबों को मुफ्त दवाओं की उपलब्धता में विघ्न डाल सकती है, इसलिए यह कदम उठाया गया है। भाजपा ने इस फैसले को गरीब विरोधी बताते हुए आलोचना की है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एस. प्रकाश ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण

है कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शरण प्रकाश पाटिल गरीब लोगों की समस्या को नहीं समझ रहे हैं। लोगों को हर दवा मुफ्त मिल रही है, ऐसा कहना बहुत सरल है, लेकिन जमीनी हकीकत को देखें तो यह संभव नहीं है। जबकि जनऔषधि केंद्र ब्रांडेड दवाओं को नहीं बेचते। वे सिर्फ जेनरिक दवाओं को बेचते हैं जो बाजार में सबसे सस्ती दवाओं से भी 60 से 70 फीसदी सस्ती होती हैं। डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनकी सरकार गरीबों के हित में काम कर रही है और मुफ्त दवाओं की नीति को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को यह समझने की जरूरत है कि उनकी सरकार हर व्यक्ति को मुफ्त दवाएं प्रदान करती है और यह निर्णय उसी नीति का हिस्सा है। मंत्री ने भाजपा की आलोचनाओं को नकारते हुए कहा कि भाजपा हर चीज में खरीद-फरोख्त के आरोप लगाती है और उन्हें यह नहीं पता कि सरकार गरीबों को निःशुल्क दवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जन औषधि केंद्रों को अस्पतालों के बाहर स्थापित किया जाएगा, जिससे अस्पतालों में मुफ्त दवाओं की उपलब्धता पर असर न पड़े। इस फैसले का उद्देश्य गरीबों को दवाओं की सुलभता सुनिश्चित करना है, और मंत्री ने भाजपा के आरोपों को सरकार की नीतियों के प्रति गलतफहमी बताया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर फोटो प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 14 अगस्त को पूरे देश में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन की परिकल्पना विभाजन के पीड़ितों के लाखों लोगों की पीड़ा, तकलीफ और दर्द को उजागर करने के लिए की गई है। यह देश को पिछली सदी में मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान भी गई थी। बुधवार को केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर विभाजन से प्रभावित लोगों की पीड़ा को दर्शाने के लिए एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा, मंडल कार्मिक अधिकारी वेंकटेश नायक आदि ने दीप जलाकर इसका शुभारंभ किया। बेंगलूरु मंडल के 14 स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें सामाजिक विभाजन और वैमनस्य के जहर को दूर करने तथा एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तीकरण की भावना को और मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता रहता है।

पेजावर के महंत ने धार्मिक जगत से हस्तक्षेप की मांग की

उडुप्पी/दक्षिण भारत। उडुप्पी पेजावर मठ के वरिष्ठ संत विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर चिंता व्यक्त की और इसे रोकने के लिए सामूहिक जागरुकता तथा धार्मिक जगत के हस्तक्षेप का आह्वान किया।

स्वामीजी ने मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी किया जिसमें न केवल बांग्लादेश में बल्कि भारत में भी हिंदुओं के समक्ष खराब होती स्थितियों की निंदा की गई। उन्होंने हिंदू समुदाय को इन चुनौतियों का सामना करने और वैश्विक शांति को बढ़ावा देने के लिए प्रार्थना के मार्ग पर चलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस प्रकार की स्थितियों के खिलाफ उठने वाली आवाजों को दबाने के बढ़ते कथित चलन को रेखांकित किया, साथ ही समाज को सतर्क रहने और अन्याय का मुकाबला करने के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया।

सरकार का सभी विभागों को एसबीआई, पीएनबी में खाते बंद करने का निर्देश

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने अपने सभी विभागों, बोर्ड, निगमों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और विश्वविद्यालयों को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक में अपनी सभी जमाओं और निवेश को वापस लेने और इन बैंकों के साथ आगे कोई भी कारोबार न करने का आदेश दिया है। यह आदेश बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता वाले एक घोटाले के बाद कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा जमा किए गए 12 करोड़ रुपये वापस करने से इनकार के बाद आया है। राज्य सरकार के 12 अगस्त को जारी एक परिपत्र में कहा गया था कि बैंक अधिकारियों के साथ बैठक में जमा राशि को लौटाने पर कोई नतीजा नहीं निकला और मामला अब अदालत के विचाराधीन है।

स्कूली छात्रा से बलात्कार करने के प्रयास में शिक्षक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक से एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां राज्य के कलबुर्गी जिले में 11 वर्षीय एक स्कूली छात्रा से कक्षा में बलात्कार करने के प्रयास में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना जिले के आलंद तालुक के निम्बरगा पुलिस थाने की सीमा में स्थित एक सरकारी स्कूल की है। पुलिस के अनुसार पीड़िता कक्षा 5 में पढ़ती है। मंगलवार को जब लड़की दोपहर का खाना खाने के बाद कक्षा में गई, तभी आरोपी ने उसे अकेला पाकर दबोच लिया।

अधिकारियों ने बताया, ''आरोपी ने छात्रा को शोर न मचाने की धमकी दी और उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया। हालांकि जब लड़की ने इसका विरोध करते हुए मदद के लिए चिल्लाना शुरू किया तो आरोपी शिक्षक स्कूल परिसर से भाग गया। वहीं पीड़िता ने अपने घर जाकर अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी।'' अभिभावकों ने पहले प्रधानाध्यापक से घटना के बारे में पूछताछ की और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर निम्बरगा पुलिस ने आरोपी शिक्षक की तलाश शुरू की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बाल यौन अपराध निवारण अधिनियम (पोक्सो) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

इस मामले ने एक बार फिर से जिले के लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जहां पोक्सो के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आंकड़ों से पता चलता है कि जिले में पिछले तीन सालों में नाबालिगों के खिलाफ बलात्कार के मामलों में महिलाओं के खिलाफ दर्ज मामलों की तुलना में तीन गुना वृद्धि हुई है। बता दें कि जून में 13 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के विरोध प्रदर्शन ने सड़कों पर जाम लगा दिया था। पीड़िता इलाज के दौरान आठ महीने की गर्भवती पाई गई। बाद में, कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

लड़की के साथ कथित तौर पर आरोपियों ने कई महीनों तक बलात्कार किया था। कलबुर्गी जिला कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह जिला है और उनके बेटे, आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खरगे भी जिले के प्रभारी मंत्री हैं। चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल भी कलबुर्गी जिले से आते हैं।

हमारी राज्य गारंटी योजनाएं देश के लिए एक मॉडल हैं, किसी बदलाव की जरूरत नहीं : एनएस बोसराजू

कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/विराजपेट। कर्नाटक राज्य की गारंटी योजनाएं देश के लिए एक मॉडल हैं, इनमें किसी बदलाव की जरूरत नहीं है और इसके बारे में कोई चर्चा नहीं है। लघु सिंचाई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और कोडागु जिले के प्रभारी मंत्री एनएस बोसराजू जवाब दिया। मंत्री आज विराजपेट तालुक के बोल्लामादु गांव में कोडवा साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित बैल नम्मे कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे तो उन्होंने मीडिया को अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक राज्य गारंटी योजनाएँ पूरे देश के लिए मॉडल योजनाएँ हैं। हमारी गारंटी योजनाओं के आधार पर कई राज्य इसी तरह की योजनाएं लागू करने के लिए आगे आए हैं। लोकसभा चुनाव में गारंटी

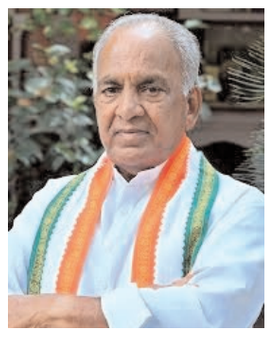

योजनाओं के असर की चर्चा तो हुई है, लेकिन कटौती को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये परियोजनाएं यथावत जारी रहेंगी।

उन्होंने बताया कि हमारे केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार एआईसीसी द्वारा आयोजित सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली में हैं। कैबिनेट फेरबदल पर चर्चा नहीं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट में फेरबदल सिर्फ अटकलें हैं।

कर्नाटक में दो सप्ताह बाद भूस्खलन प्रभावित गांव में तलाश अभियान बहाल किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर गांव में दो सप्ताह से अधिक समय के बाद बुधवार को नौसेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अन्य एजेंसियों ने केरल के लॉरी चालक अर्जुन एवं दो अन्य को खोजने के लिए तलाश अभियान फिर शुरू किया जो भूस्खलन के बाद लापता हो गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। सोलह जुलाई को इस गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर इस घटना में आठ लोगों की जान चली गयी थी। पुलिस ने बताया कि प्रतिकूल मौसम, नदी के तेज प्रवाह और अन्य कारकों की वजह से तलाश अभियान 28 जुलाई को रोक दिया गया था।

केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने हाल में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर उनसे कोझिकोड़ के लॉरी चालक को खोजने के लिए तलाश अभियान बहाल करने का अनुरोध किया था। पुलिस अधीक्षक (कारवार) नारायण एम ने कहा कि नौसेना, एनडीआरएफ, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) तथा मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विभाग के समन्वित प्रयासों से बुधवार को पूर्ण तलाशी अभियान फिर शुरू किया गया।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा था, हमारी पुलिस टीम भी इस अभियान का हिस्सा है। पिछले महीने राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में चलाए गए व्यापक बचाव अभियान के दौरान हमने आठ शव बरामद किए थे। उन्होंने कहा, अब तलाशी अभियान भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में चिन्हित चार स्थानों पर तीन लोगों-केरल के लॉरी चालक अर्जुन और कर्नाटक के दो अन्य लोगों-को खोजने पर केंद्रित है और गोताखोर भी बचाव अभियान का हिस्सा होंगे।

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
केंद्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय – भारत सरकार
मानंदवाडी रोड, श्रीरामपुरा, मैसूरु - 570 008, कर्नाटक
सं.केरेबो/अप्रसं/स्था/पीए-आर सी एम टी/2024-25
प्रत्यक्ष-साक्षात्कार
दिनांक: 14.08.2024
के.रे.बो. की अनुसंधान परियोजना "ट्रैक्टर चालित शहतूत प्ररोह काटने और बांधने की मशीन का विकास और मान्यकरण" में अनुबंध के आधार पर संस्थान में (एक) परियोजना सहायक और (एक) कुशल श्रमिक के पद के लिए दिनांक 21.08.2024 को प्रात: 10.30 बजे उपर्युक्त पते पर वॉक-इन-इंटरव्यू में शामिल होने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विवरण वेबसाइट www.csb.gov.in & www.csrtimys.res.in पर उपलब्ध है।
सीबीसी: 41109/12/0008/2425
निदेशक

सुगम शिक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम ही नहीं है बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। युवावर्ग को सही दिशा देकर ही किसी भी राष्ट्र और समाज का सर्वांगीण विकास संभव है तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उस युवा के विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसान, महिला, गरीब एवं युवा वर्ग के हित में अनेक निर्णय लिए हैं जिससे आपणो अग्रणी राजस्थान की संकल्पना तेजी से साकार हो रही है।

शर्मा बुधवार को जैसलमेर के फतेहगढ़ में 50 राजकीय महाविद्यालयों के नवनिर्मित भवनों एवं 9 महाविद्यालयों में नवनिर्मित कक्षा-कक्षों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राजकीय महाविद्यालय फतेहगढ़ के भवन का फीता काटकर तथा 49 महाविद्यालयों के नवनिर्मित भवनों का वर्चुअली लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि आज हुए इन लोकार्पण से विद्यार्थियों को सभी सुविधाओं से युक्त नए भवन और क्लासरूम मिलेंगे तथा उनकी पढ़ाई सुगम होगी। इन 50 महाविद्यालयों में 26 हजार 370 विद्यार्थी इन नवीन सुविधाओं से लाभान्वित हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर उनको सशक्त बनाने के मजबूत विजन के साथ काम कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी पदों पर भर्तियाँ की जाएंगी और इस वर्ष एक लाख से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। इसी क्रम में सहायक आचार्य के 1936, शारीरिक शिक्षकों के 247 एवं पुस्तकालय अध्यक्ष के 247 पदों पर भर्ती हेतु लिखित परीक्षा संपन्न हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हम जो कहते हैं वो करके भी दिखाते हैं।

शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का पालन करते हुए प्रदेश में शिक्षा के विकास के लिए 2024-25 से महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली आरंभ कर दी गई है। अब विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विषयों और पाठ्यक्रमों का चुनाव कर सकता है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास के पाठ्यक्रम सम्मिलित किए जा रहे हैं जिससे विद्यार्थी अध्ययन के साथ रोजगारपरक कौशल प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवावर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 37 नए राजकीय महाविद्यालय खोले जाएंगे जिनमें 20 सह-शिक्षा, 13 कन्या एवं 4 कृषि महाविद्यालय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को राज्य सरकार पूरा कर रही है। प्रदेश में 1 हजार 27 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से 192 महाविद्यालयों के भवनों का निर्माण कार्य शीघ्र ही पूर्ण करवा दिया जाएगा। इससे अस्थायी भवनों में संचालित महाविद्यालयों को स्थायी भवन में संचालित किया जा सकेगा।शर्मा ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार युवाओं के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इससे प्रदेश के शैक्षिक संस्थानों के नवनिर्माण, रिसर्च-कौशल विकास, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां बेहतरीन रूप से संपादित हो रही हैं। शर्मा ने कहा कि प्रत्येक युवा देश-विदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने का सपना देखता है। राज्य सरकार ने इसी सपने को हकीकत में बदलते हुए स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना शुरू की है। यह योजना विद्यार्थियों को देश और विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान कर रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण की अपील की।

शर्मा ने कहा कि जैसलमेर के चहुंमुखी विकास के लिए बजट में अनेक घोषणाएं की गई हैं और प्रदेश सरकार ने इन्हें धरातल पर उतारना भी शुरू कर दिया है। बोडाना में सोलर पार्क, डांगरी में 132 केवी जीएसएस, लगभग 39 करोड़ रूपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य, खाभा फोर्ट परिसर में जीवाश्म पार्क व ओपन रॉक्स म्यूजियम तथा राष्ट्रीय मरू उद्यान में गजाई माता, चौहानी, सुदासरी एवं रामदेवरा में नए एनक्लोजर स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लखा के उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में, लखा के पशु चिकित्सालय को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में, पूनम नगर के पीएचसी को सीएचसी में, रायमला के उप स्वास्थ्य केंद्र को पीएचसी में तथा झिनझिनयाली उप तहसील को तहसील में क्रमोन्नत किया जाएगा। साथ ही, जैसलमेर में जीरा मंडी की स्थापना की जाएगी। शर्मा ने कहा कि 23 करोड़ रुपये की लागत से इंदिरा गांधी मुख्य नहर के बेहतर संचालन एवं नियंत्रण के लिए स्काडा सिस्टम बनाया जाएगा। 250-250 करोड़ रुपये की लागत से सागरमल गोपा शाखा प्रणाली का जीर्णोद्धार तथा इंदिरा गांधी मुख्य नहर में विकास कार्य करवाए जाएंगे।

कोलकाता चिकित्सक दुष्कर्म-हत्या मामला

घटना के विरोध में राजस्थान में चिकित्सकों की हड़ताल जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोलकाता में एक महिला चिकित्सक से कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में राजस्थान के कुछ हिस्सों में रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। 'जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स' (जार्ड) के अध्यक्ष डॉ. मनोहर सियोल ने कहा कि हड़ताल से आपातकालीन सेवाएं प्रभावित नहीं हुई हैं, लेकिन रेजिडेंट चिकित्सकों ने गैर-जरूरी सेवाएं बंद कर रखी हैं।

उन्होंने कहा कि राजधानी जयपुर के अलावा उदयपुर और जोधपुर समेत राज्य के अन्य हिस्सों में रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। डॉ. सियोल ने कहा, हम अपनी मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रखेंगे। रेजिडेंट चिकित्सक मामले की पारदर्शी जांच, जिम्मेदार अधिकारियों के इस्तीफे, पीड़िता के परिवार को पर्याप्त मुआवजा, केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन और देश भर के सभी मेडिकल कॉलेज में कार्यस्थल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।

हड़ताल के कारण जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल समेत कई सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हैं। हालांकि, सरकारी अस्पतालों में कामकाज सुचारू रूप से चलाने के लिए वरिष्ठ चिकित्सकों को ओपीडी सेवाओं में लगाया गया है।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी

जयपुर। राजस्थान में बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते 24 घंटों के दौरान पूर्वी हिस्से के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कहीं कहीं पर भारी बारिश दर्ज की गई। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, इस दौरान सर्वाधिक नौ सेंटीमीटर बारिश अलवर के मंडावर और अजमेर के भिनाय में दर्ज की गई। वहीं दौसा के लालसोट में छह सेंटीमीटर, झुंझुनूं के उदयपुर वाटी में छह सेंटीमीटर, टोंक के निवाई में पांच सेंटीमीटर, जयपुर के पावटा, चित्तोडगढ़ के भैंसरोडगढ़ , जैसलमेर के पोखरण, पाली के रायपुर, जोधपुर के शेरगढ में पांच पांच सेंटीमीटर और अन्य कई स्थानों पर चार सेंटीमीटर से एक सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई।

केन्द्र ने बुधवार को जयपुर, झुंझुनू, सीकर और नागौर जिलों में बहुत भारी बारिश ओर अजमेर, अलवर, दौसा, सवाईमाधोपुर, टोंक, बीकानेर, चूरू, जोधपुर और पाली जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

किरोड़ी लाल मीणा ने अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए आवश्यक कदम उठाने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिले में निरंतर हो रही भारी वर्षा के कारण अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से आपदा प्रबंधन व्यवस्थाओं एवं विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने सवाईमाधोपुर जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव से अतिवृष्टि के उपरांत अब तक किये गये बचाव कार्यो की जानकारी प्राप्त कर, प्रभावित लोगों की मदद के लिए आवश्यक कदम उठाने एवं शहर में जलभराव का स्थाई समाधान करने के लिये सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि शहर में बारिश के पानी की निकासी के लिए अतिक्रमण को हटाकर नालों को सुचारू किया जाए। इस दौरान उन्होंने पुराने शहर में खण्डार तिराहे पर जामा मस्जिद के पास निर्मित नाले पर डिवाईडर निर्माण के समय तकनीकी खामियों के कारण शहर सड़क पर जलभराव की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य की जांच करवाने एवं शीघ्र जल निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह को दिए।

फसल, मानवीय क्षति एवं पशु हानि की भिजवाएं रिपोर्ट:- उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि के कारण आपदा की स्थिति में सभी अधिकारी आपसी समन्वय से सक्रिय रहकर कार्य करें। उन्होंने भराव से प्रभावित क्षेत्र में शुद्ध पेयजल, खाद्य साम्रगी, चिकित्सकीय सुविधा, अवरूद्ध रास्तों से जल निकासी व सफाई करवाकर मार्गो की शीघ्र बहाली करने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिवृष्टि के कारण फसलों में हुए नुकसान, मानवीय क्षति एवं पशु हानि आदि का विभागवार चिन्हिकरण कर कलेक्ट्रेट कार्यालय के माध्यम से राज्य सरकार को रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए ताकि नुकसान की स्थिति में नियमानुसार मुआवजा दिया जा सके।

बांधों की जानी वर्तमान स्थिति:- उन्होंने जलजनित मौसमी बीमारियों की निगरानी रखते हुए ड्रग वेयर हाउस की नियमित मॉनिटरिंग करने, आवश्यक दवाइयों की पूर्व तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता अरूण शर्मा से जिले के सभी बांधो की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि बांध एवं एनिकट में मिट्टी कटाव व बांध में रिसाव जैसी स्थिति पाए जाने पर तुरन्त समीपवर्ती क्षेत्र के निवासियों को सूचित करते हुए रोकथाम के उपाय करें।

उन्होंने सवाईमाधोपुर जिले में वन विभाग से एनओसी नहीं मिलने के कारण रुके हुए विकास कार्यो को प्रारम्भ कराने के लिए विभागों के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारी को बारिश के मौसम में पानी की सेंपलिंग एवं क्लोरीनेशन करवाकर पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने एवं पेयजल आपूर्ति की स्थिति जानकर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भविष्य में गर्मी के मौसम में आने वाली पेयजल समस्या के निराकरण हेतु वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं जल जीवन मिशन के तहत क्षतिग्रस्त सड़कों को शीघ्र दुरस्त करने के निर्देश अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी को दिए।

आपदा प्रबंधन मंत्री ने बरसात के मौसम में विद्युत पोल गिरने एवं विद्युत लाईन टूटने जैसी घटनाओं की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया ताकि किसी प्रकार की जनहानि घटित ना हो। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में विद्युत पोलों पर लगे पिल्लर बॉक्सों को ढक्कन लगाकर कवर किया जाए ताकि करंट आने की सम्भावना नहीं रहे और जनहानि से बचा जा सके। इस दौरान आरडीएसएस योजना के तहत निर्माणाधीन जीएसएस के संबंध में जानकारी लेते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश विद्युत विभाग के अशोक कुमार बुजेटिया को दिए।

जनजातीय क्षेत्रों में विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य किए जाएं : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को अधिकारियों को जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आदिवासी क्षेत्रों के विकास के अंतर्गत सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और अन्य विकास योजनाओं से जुड़े विभागों की स्वयं निगरानी करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनजाति क्षेत्र विकास विभाग का दायित्व केवल जनजातीय विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं बल्कि जनजातीय क्षेत्र के समग्र विकास की जवाबदेही उनकी है।

राज्यपाल ने केंद्र और राज्य सरकार के विकास लक्ष्यों को समयबद्ध पूरा करने के साथ ही जनजातीय क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया। बागडे बुधवार को राजभवन में जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने जन-धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों, 'हर घर जल' के तहत लाभान्वित परिवारों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत कृषि विकास के लिए किए कार्यों, हर गांव में पक्की सड़क निर्माण की प्रगति, गांवों में आरोग्य सेवाओं की स्थिति, आयुष्मान भारत योजना आदि के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि इन सभी योजनाओं का व्यावहारिक रूप में प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल लक्ष्य पूर्ति के लिए ही कार्य नहीं हो बल्कि यह भी देखा जाए कि आदिवासी क्षेत्र के लोगों को वास्तविक रूप में विकास योजनाओं का लाभ मिले।

बागडे ने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग को आदिवासी गांवों में सामुदायिक चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ ही वहां पर टीबी और कैंसर जांच शिविर आयोजित करवाने और टीबी और कैंसर मुक्त जनजातीय क्षेत्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने आदिवासी क्षेत्रों में उद्यमिता और कौशल विकास के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पति उत्पादों का प्रभावी विपणन किया जाए और प्रयास किया जाए कि आदिवासी क्षेत्रों के लोगों द्वारा उत्पादित उत्पाद ही प्रदेश में अधिकाधिक उपयोग किए जाएं और इससे स्थानीय स्तर पर जीवन स्तर में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि भविष्य में राजभवन में आदिवासी क्षेत्र निर्मित उत्पादों का ही उपयोग किया जाए।

किसान साथी एप से घर बैठे ही सिंचाई जल की उपलब्धता की मिलेगी जानकारी : रावत

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, 23 अगस्त के उपलक्ष में बुधवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जल संसाधन विभाग, राजस्थान और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'टचिंग लाइव्ज व्हाइल टचिंग द मून- इंडियाज स्पेस सागा' थीम पर एक दिवसीय रन अप सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत एवं विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने इस अवसर पर पार्वती बांध, धौलपुर के कमांड क्षेत्र के काश्तकारों के लिए तैयार किए गए किसान साथी एप का लोकार्पण किया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि किसान साथी एप पार्वती बांध के कैचमेंट एरिया के किसानों को पानी की उपलब्धता और आपूर्ति के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करेगा। इससे पार्वती सिंचाई परियोजना के 786 वर्ग किलोमीटर कमांड क्षेत्र के 132 गांव के लगभग 72 हजार किसान लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस एप द्वारा किसानों को घर बैठे ही जल की उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी और इससे सिंचाई जल के समुचित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश के सभी बांधों को किसान साथी एप के माध्यम से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, जिससे प्रदेश के सभी किसान लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा नवाचार करते हुए मार्च माह में बड़े बांधों और नहरों के डिजिटलीकरण के लिए डैशबोर्ड का लोकार्पण भी किया गया था।

रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के दिन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाए जाने के प्रधानमंत्री के फैसले से भावी पीढ़ी इस दिन को सदैव याद रखेगी और प्रेरणा प्राप्त करेगी।

सोनार किले की प्राचीर से गूंजे देशभक्ति के तराने, मुख्यमंत्री ने 'हर घर तिरंगा यात्रा' को दिखाई हरी झण्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैसलमेर के सोनार किले पर हरी झण्डी दिखाकर 'हर घर तिरंगा यात्रा' को रवाना किया। अखेपोल गेट से हनुमान सर्किल तक निकली इस यात्रा में मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए और उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं गौरव का संदेश दिया।

यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री का पुष्पवर्षा कर शहरवासियों ने कई स्थानों पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हनुमान सर्किल पर गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। हाथों में तिरंगा लहराते हुए सीमा सुरक्षा बल, भारतीय थल सेना एवं वायु सेना के जवान तथा बॉर्डर होमगार्ड, एनसीसी कैडेटस सहित राजस्थान पुलिस के जवान यात्रा में शामिल हुए।

बैंड की धुनों और देशभक्ति नारों से सोनार किला गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी ने मुख्यमंत्री को साफा पहनाकर अभिनंदन किया। यात्रा में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक महंत प्रतापपुरी सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।

प्रदेश में स्थापित होगा विश्वस्तरीय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सेरेमिक्स

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर राजस्थान में सिरेमिक मिनरल्स के विपुल भण्डार के खनन से प्रसंस्करण तक विश्वस्तरीय शोध, तकनीक, विश्वस्तरीय उत्पाद तैयार करने और प्रदेश के सिरेमिक मिनरल्स की राज्य में ही प्रोसेसिंग को बढ़ावा देकर सिरेमिक क्षेत्र में देश दुनिया में राजस्थान की पहचान बनाने के लिए राज्य सरकार ने पहल की है। खान सचिव श्रीमती आनन्दी ने बताया कि मुख्यमंत्रीं भजन लाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सेरेमिक्स की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में सिरेमिक मिनरल्स बाल क्ले, सिलिका सैंड, क्वार्ट्ज, चाइना क्ले, फेल्सपार इत्यादी बीकानेर, अजमेर, बाड़मेर, भीलवाडा, चित्तोडगढ, जयपुर, करौली, नागौर, पाली व राजसमन्द जिलों में विपुल भण्डार उपलब्ध है।

खान सचिव श्रीमती आनन्दी ने यह जानकारी देश व प्रदेश के सिरेमिक क्षेत्र में शोध, अध्ययन, खनन, प्रसंस्करण कर रहे विशेषज्ञों से एक्सीलेंस की स्थापना को लेकर आपसी अनुभवों व सुझावों को साझा करते हुए दी। सिरेमिक मिनरल्स का ग्लास, सिरेमिक्स, बिजली के काम आने वाले इंसूलेटर, टायलेट में काम आने वाले सेनेटरीवेयर उत्पाद, रियल एस्टेट में काम आने वाली टाइल्स, पॉट्री, ब्रिक्स, सेमी कण्डक्टर सहित विभिन्न उत्पादों को तैयार करने में सिलिका मिनरल्स की प्रमुख व प्रभावी भूमिका है।

उन्होंने बताया कि पूरा कच्चा माल राजस्थान में उपलब्ध होने के बावजूद टाइल्स उद्योग मोरवी में फल-फूल रहा है। जयपुर वोन चाइना का बड़ा सेंटर है तो प्रदेश में जानी मानी कंपनियां ग्लास उत्पादन कार्य कर रही है। सिलिका में आयरन कंटेट को 100 पीपीएम या नीचे स्तर पर लाने की चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि इस तरह के शोध, विकास और विश्वस्तरीय तकनीक को अपनाने से ही संभव है। सिलिका में आयरन कंटेट 100 पीपीएम से नीचे के स्तर पर लाने की तकनीक के उपयोग से विश्वस्तरीय सिलिका उत्पाद खासतौर से ग्लास उत्पाद तैयार हो सकते हैं।

बांग्लादेश के डेढ़ करोड़ हिंदुओं पर कथित सेक्युलरिस्ट का मुंह सिल गया : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश में आज डेढ़ करोड़ हिंदू अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे हैं लेकिन दुनिया और भारत के कथित सेक्युलरिस्ट के मुंह सिले हुए हैं क्योंकि उन्हें वोट बैंक की चिंता है और उनकी मानवीय संवेदना मर चुकी है।

एक बयान के मुताबिक, योगी बुधवार को यहां लोकभवन में आयोजित 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। विभाजन विभीषिका पर आधारित लघु फिल्म के जरिए आमजन का दर्द दिखाया गया। योगी ने कहा, हम सभी प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने इतिहास के काले अध्यायों से पर्दा उठाकर गलतियों के परिमार्जन के लिए रास्ता बनाने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कथित 'सेक्युलरिस्ट' ने आजादी के बाद बांटो और राज करो की राजनीति को प्रोत्साहित किया है। इन लोगों ने अंग्रेजों से सत्ता प्राप्त की लेकिन यह भारत की सत्ता का नेतृत्व नहीं कर रहे थे बल्कि अंग्रेजों के मानस पुत्रों के रूप में इन्होंने सत्ता का संचालन किया। उसी का दुष्परिणाम अखंड हिंदुस्तान ने चुकाया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जो किसी युग में नहीं हुआ, वह कांग्रेस की सत्ता के प्रति अभिलिप्सा ने विभाजन की त्रासदी के रूप में प्रस्तुत किया और स्वतंत्र भारत को ऐसा नासूर दिया, जिसका दंश आज भी भारत आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के रूप में झेल रहा है। अगर तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व ने दृढ़ता का परिचय दिया होता तो दुनिया की कोई ताकत इस अप्राकृतिक विभाजन को मूर्त रूप नहीं दे पाती। मुख्यमंत्री ने कहा, क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश को स्वतंत्र कराने की दिशा में विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी थी। जब उसकी पूर्णता का समय आया तो इस सनातन राष्ट्र को विभाजन की त्रासदी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, जो गलतियां इतिहास के काले अध्याय के रूप में हमारे सामने कैद हैं, वही गलतियां चुनाव के समय राजनीतिक दल करते हैं। जो पहले जातिवाद के नाम पर होता था, वही कारनामे आज राजनीतिक दलों के स्तर पर किए जा रहे हैं।

भारत-रूस स्थानीय मुद्राओं में व्यापार पर कर रहे बातचीत: वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बुधवार को कहा कि भारत और रूस स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने और रूस की तरफ से गैर-शुल्क बाधाओं में कटौती करने के बारे में चर्चा कर रहे हैं।

बर्थवाल ने पिछले महीने रूस के आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रशेतनिकोव और उद्योग एवं व्यापार उप मंत्री एलेक्सी ग्रुज्देव के साथ अपनी बैठकों के दौरान इन मुद्दों को उठाया था। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने भारत और रूस के बीच व्यापार को बेहतर बनाने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की। इस पर भी चर्चा हुई कि रुपए और रूबल में कारोबार को किस तरह सुविधाजनक बनाया जाए, गैर-शुल्क उपाय हमारे व्यापार को किस तरह प्रभावित कर रहे हैं और उन्हें किस तरह कम किया जाए। उन्होंने कहा कि रूस ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। मांस और दवाओं जैसे भारतीय निर्यात क्षेत्रों को रूस में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बर्थवाल ने कहा कि भारत ने पेट्रोलियम उत्पादों से परे भी व्यापार विविधीकरण पर चर्चा की। हमें उम्मीद है कि गैर-पेट्रोलियम व्यापार में भी मात्रा में अच्छा सुधार होगा।

अमित शाह ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कहा कि यह देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले नायकों को याद करने का अवसर है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान की दो वर्ष पहले शुरुआत की थी, जिसमें नागरिकों से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और अपनी सेल्फी सरकारी वेबसाइट पर अपलोड करने का आग्रह किया गया था।

शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मोदी जी के 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत पूरा देश तिरंगामय हो रहा है। आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर तिरंगा लहरा कर देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले नायकों को याद किया। तिरंगा करोड़ों देशवासियों की एकता, निष्ठा व गौरव का प्रतीक बन अनंत काल तक लहराता रहेगा। गृह मंत्री ने पिछले सप्ताह सभी लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देश के कोने-कोने में आजादी का संदेश सक्रियता से फैलाने को कहा था।

ममता ने सीबीआई जांच के आदेश का स्वागत किया, प्रदर्शन के लिए विपक्ष की आलोचना की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर की कथित बलात्कार के बाद हत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का बुधवार को स्वागत किया। बनर्जी ने विपक्षी माकपा और भाजपा पर इस घटना का राजनीतिकरण करने और बांग्लादेश में छात्र आंदोलन की तरह राज्य में विरोध प्रदर्शन को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम का बहिष्कार त्यागने की अपील करते हुए कहा कि वे काम पर लौट आएं, क्योंकि स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा, हम कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करेंगे और सीबीआई को पूरा सहयोग देंगे। हमें सीबीआई (केंद्र अन्वेषण ब्यूरो) को मामला सौंपे जाने से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि हम चाहते हैं कि यह मामला जल्द से जल्द सुलझ जाए। उच्च न्यायालय ने डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या मामले को मंगलवार को कोलकाता पुलिस से सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमने इस मामले में हर संभव कार्रवाई की है, लेकिन फिर भी दुर्भावनापूर्ण अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा, आप मुझे जितना चाहें उतना गाली दें, लेकिन कृपया राज्य को गाली न दें।

'सरपंच पति' प्रथा को समाप्त करना पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी: भारद्वाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पंचायती राज सचिव विवेक भारद्वाज ने बुधवार को कहा कि ''सरपंच पति'' प्रथा को समाप्त करना पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। निर्वाचित महिला सरपंच के पति द्वारा संबंधित शक्ति का प्रयोग किए जाने को 'सरपंच पति' प्रथा कहा जाता है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायती राज मंत्रालय जल्द ही महिला प्रतिनिधियों को सशक्त बनाने के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना बनाएगा।

कार्यक्रम में महिलाओं सहित लगभग 400 पंचायती प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वे बृहस्पतिवार को यहां लालकिले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित विशेष अतिथियों में भी शामिल हैं। 'सरपंच पति' प्रथा पर प्रकाश डालने वाली वेब-सीरीज़ 'पंचायत' का जिक्र करते हुए भारद्वाज ने कहा कि उन्हें कुछ लोगों ने शो देखने के लिए कहा था क्योंकि यह जमीनी हकीकत को चित्रित करती है।

भारद्वाज ने कहा, कुछ दिन पहले, एक कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुझसे मिलने आए थे। मुझसे पूछा गया कि क्या मैंने 'पंचायत' वेब सीरीज देखी है... एक कंसल्टेंसी के प्रमुख, एक अन्य ने मुझे बताया कि उसने पूरी सीरीज देखने के लिए एक दिन का अवकाश लिया। पंचायती राज सचिव कहा, उन्होंने सोचा होगा कि मुझे खुशी होगी लेकिन मुझे बहुत बुरा लगा। क्योंकि वेब सीरीज में दिखाया गया है कि एक महिला निर्वाचित प्रतिनिधि है लेकिन उसकी जगह उसका पति ही (गांव में) सभी काम (सरपंच के रूप में) करता है। उन्होंने पंचायती राज प्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए कहा, सरपंच पति की इस प्रथा को खत्म करना आपकी जिम्मेदारी है। हम इस प्रयास में आपके साथ हैं। भारद्वाज ने कहा कि 32 लाख पंचायती राज प्रतिनिधियों में से 46 प्रतिशत महिलाएं हैं, लेकिन आश्चर्य है कि उनमें से कितनी अपनी जिम्मेदारियां खुद निभाने में सक्षम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिला पंचायत प्रतिनिधियों के लिए अलग से प्रशिक्षण की भी जरूरत है और मंत्रालय इस पर गौर करेगा। भारद्वाज ने कहा, हम जीपीडीपी (ग्राम पंचायत विकास योजना) प्रशिक्षण आयोजित करते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए कोई अलग प्रशिक्षण नहीं है और एक महिला (प्रतिनिधि) को एक कुशल सरपंच बनने के लिए क्या चाहिए... इस बारे में कोई प्रशिक्षण नहीं है। यह हमारी कमी है, हम जल्द इसका समाधान करेंगे। उन्होंने कहा, चीन और भारत के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि वहां महिलाओं की भागीदारी बहुत अधिक है। अगर 20-30 फीसदी महिलाएं बिलकुल भी काम नहीं करेंगी तो समाज का विकास नहीं हो सकता।

मोदी सरकार में बेरोजगारी सबसे बड़ा अभिशाप : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

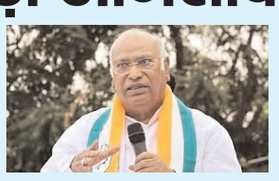

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार में बेरोजगारी सबसे बड़ा अभिशाप रही है और प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियों का जुमला हर भारतीय के साथ विश्वासघात का प्रतीक है। खरगे ने बेरोजगारी से जुड़ी एक खबर को लेकर सरकार पर निशाना साधा, जिसमें कहा गया है कि मुंबई पुलिस में कांस्टेबल के 1,257 पदों के लिए 1.11 लाख महिलाओं ने आवेदन किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पोस्ट किया, मोदी सरकार में बेरोजगारी सबसे बड़ा अभिशाप रही है। मोदी सरकार एक हास्यास्पद पीआर अभियान के रूप में संदिग्ध रोजगार डेटा का उपयोग कर रही है, जिसे 'अवैतनिक श्रम' और 'प्रति सप्ताह एक घंटे के काम' की गणना करके बेहद बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र, जहां 1.11 लाख महिलाओं ने मुंबई पुलिस में कांस्टेबल के 1,257 पदों के लिए आवेदन किया था, उनमें से कई को बच्चों के साथ फुटपाथ पर रात बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह बेरोजगारी की गंभीर स्थिति की याद दिलाता है। खरगे ने दावा किया कि 'डायमंड वर्कर्स यूनियन गुजरात' द्वारा 15 जुलाई को शुरू किए गए आत्महत्या से संबंधित हेल्पलाइन नंबर पर उन लोगों से 1,600 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं, जिन्होंने या तो अपनी नौकरी खो दी है या कम वेतन पा रहे हैं, जिससे उनके घर की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि सूरत का प्रसिद्ध हीरा उद्योग मंदी का सामना कर रहा है और कंपनियों ने अपने 50,000 कर्मचारियों के लिए 10 दिन की छुट्टी की घोषणा की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, पिछले महीने, हमने देखा कि कैसे मुंबई हवाई अड्डे पर लोडर के पद की 2,216 रिक्तियों के लिए 25,000 से अधिक लोग पहुंच गए थे। ऐसा ही भगदड़ जैसा दृश्य गुजरात के भरूच में देखा गया, जहां एक निजी कंपनी में 10 पद के लिए 1,800 लोग पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार की कोई भी लीपापोती इस सच्चाई को नहीं बदल सकती कि लाखों नौकरी चाहने वालों को बहुत कम नौकरियों के साथ रोजाना सड़क पर संघर्ष करना पड़ता है।

भारत ने लंबी दूरी के ग्लाइड बम 'गौरव' का पहला सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने वायु सेना के सुखोई-30 एमके-1 लड़ाकू विमान से लंबी दूरी के ग्लाइड बम (एलआजीबी) 'गौरव' का पहला सफल परीक्षण किया।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने 'लॉन्ग व्हीलर' द्वीप पर स्थापित लक्ष्य पर सटीक प्रहार किया। यह परीक्षण ओडिशा तट पर किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ग्लाइड बम के सफलतापूर्वक परीक्षण के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय वायु सेना और रक्षा उद्योग की प्रशंसा की। उन्होंने इस सफल परीक्षण को सशस्त्र बलों की क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास में देश के प्रयासों में एक प्रमुख उपलब्धि बताया।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमके-1 से लंबी दूरी के ग्लाइड बम गौरव का पहला सफल परीक्षण किया है। लंबी दूरी के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम 'गौरव' का वजन 1,000 किलोग्राम है और इसे हवा से छोड़ा जा सकता है। हैदराबाद स्थित अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) ने 'गौरव' को विकसित किया है। मंत्रालय ने कहा, परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य पर सटीक प्रहार किया। डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने इस परीक्षण पर नजर रखी। मंत्रालय ने बताया विकास-सह-उत्पादन भागीदार अदाणी डिफेंस और भारत फोर्ज ने भी परीक्षण में भाग लिया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने ग्लाइड बम के सफल परीक्षण पर पूरी डीआरडीओ टीम को बधाई दी।

आबकारी नीति मामला

न्यायालय का केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर जांच एजेंसी से जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भूइयां की पीठ के समक्ष जैसे ही सुनवाई शुरू हुई, केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उन्हें कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में तीन बार अंतरिम जमानत मिली है और धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत मामलों में जमानत दिए जाने के लिए कठोर शर्तें भी लगायी गई हैं। सिंघवी ने 20 जून को निचली अदालत द्वारा दी गई नियमित जमानत के साथ ही 10 मई और 12 जुलाई को पारित उच्चतम न्यायालय के अंतरिम जमानत आदेशों का हवाला दिया। उन्होंने पीठ को सूचित किया कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने ''मौखिक रूप से'' निचली अदालत के 20 जून के आदेश पर रोक लगा दी थी। सिंघवी ने दलील दी जब केजरीवाल को पीएमएलए के तहत लगायी कड़ी शर्तों के बावजूद जमानत दी जा सकती है तो उन्हें सीबीआई के मामले में नियमित जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि भ्रष्टाचार रोकथाम कानून में वैसे कठोर प्रावधान नहीं हैं जैसे कि धन शोधन रोधी कानून में हैं।

कोलकाता मामले में आरोपी को बचाने का प्रयास अस्पताल, प्रशासन पर सवाल खड़े करते हैं: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता में प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने के बजाय आरोपी को बचाने का प्रयास अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके राहुल ने कहा कि कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की जघन्य घटना से पूरा देश स्तब्ध है। उसके साथ हुए क्रूर और अमानवीय कृत्य के खुलासे से डॉक्टर समुदाय और महिलाओं में असुरक्षा का माहौल है। राहुल गांधी ने लिखा, कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म एवं हत्या की वीभत्स घटना से पूरा देश स्तब्ध है। उसके साथ हुए क्रूर व अमानवीय कृत्य की परत दर परत जिस तरह खुल कर सामने आ रही है, उससे चिकित्सक बिरादरी और महिलाओं के बीच असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने कहा, पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

बिहार के पूर्व विधायक अनंत सिंह को पटना उच्च न्यायालय ने बरी किया

पटना/भाषा। पटना उच्च न्यायालय ने बिहार के मोकामा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक अनंत कुमार सिंह को उनके आवास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद होने के मामले में बुधवार को बरी कर दिया। न्यायमूर्ति चंद्र शेखर झा ने सिंह की चुनौती याचिका पर यह फैसला सुनाया। पटना की एक निचली अदालत ने चार साल पुराने इस मामले में सिंह को दस साल के जेल की सजा सुनायी थी। पूर्व विधायक ने निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। पूर्व विधायक के अधिवक्ता सुनील कुमार ने कहा कि हमने तर्क दिया कि सिंह को उस परिसर से आपत्तिजनक वस्तुओं की बरामदगी के लिए दोषी ठहराया गया था जहां वह नहीं रह रहे थे। अब उम्मीद है हमारे मुवक्किल जल्द जेल से बाहर आ जाएंगे।

श्रीजेश की 16 नंबर की जर्सी को रिटायर किया हॉकी इंडिया ने, जूनियर कोच बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हॉकी इंडिया ने बुधवार को दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में उनकी जर्सी नंबर 16 को सीनियर टीम से रिटायर करने का फैसला किया। श्रीजेश ने हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में देश को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद खेल को अलविदा कह दिया।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में किसी भी सीनियर टीम के खिलाड़ी को 16 नंबर की जर्सी नहीं दी जाएगी, हालांकि जूनियर स्तर पर यह जर्सी मिलेगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस अनुभवी खिलाड़ी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि श्रीजेश ने 'आधुनिक भारतीय हॉकी के भगवान' कहलाने का अधिकार अर्जित किया है। भोला नाथ ने आधिकारिक तौर पर यह भी घोषणा की कि लगभग दो दशक तक देश का प्रतिनिधित्व करने वाले 36 वर्षीय श्रीजेश जूनियर राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएंगे।

भोला नाथ ने श्रीजेश के सम्मान में आयोजित समारोह में कहा, श्रीजेश अब जूनियर टीम के कोच बनने जा रहे हैं और हम सीनियर टीम के लिए 16 नंबर की जर्सी रिटायर कर रहे हैं। हम जूनियर टीम के लिए 16 नंबर की जर्सी को रिटायर नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, श्रीजेश दूसरे श्रीजेश को जूनियर टीम में तैयार करेगा (श्रीजेश जूनियर टीम में अपने जैसे किसी खिलाड़ी को तैयार करेगा जो 16 नंबर की जर्सी पहनेगा)।

केरल के इस अनुभवी खिलाड़ी के सम्मान में समारोह में उपस्थित खिलाड़ियों ने एक जैसी लाल जर्सी पहनी हुई थी जिसके पीछे श्रीजेश का नाम लिखा हुआ था।

उसकी काबिलियत देखकर पहले उससे चिढ़ने लगा था, श्रीजेश ने याद की अपनी प्रेमकहानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्कूल में अपने से अधिक काबिल होने के कारण उन्हें अनीश्या से चिढ हो गई थी लेकिन बाद में उसे अपना दिल दे बैठे। बॉलीवुड की ही तरह रही पी आर श्रीजेश और उनकी पत्नी की प्रेम कहानी जिसकी शुरुआत केरल में जीवीएन स्पोर्टस स्कूल से हुई। लांग जंपर रही अनीश्या ने आखिर भविष्य में भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर बनने जा रहे श्रीजेश को अपना जीवनसाथी बनाने के लिए हामी भरी।

पेरिस ओलंपिक के बाद राष्ट्रीय टीम से विदा लेने वाले श्रीजेश ने मंगलवार को पीटीआई के संपादकों से बातचीत में बताया कि उनकी प्रेम कहानी कैसे परवान चढी। वह कन्नूर में स्पोर्टस स्कूल में पढ रहे थे जब अनीश्या ने 2001 में उसमें दाखिला लिया। उन्होंने कहा, मैं अच्छा छात्र था, टॉपर। सुपरस्टार था और शिक्षकों का फेवरिट। वह आई और मुझसे बेहतर निकली। हर चीज में अच्छे अंक। मुझे 50 में से 35 या 42 नंबर मिलते लेकिन उसे 49 और 50। उन्होंने कहा, मुझे उससे नफरत होने लगी। हम दुश्मन बन गए लेकिन इसके बाद वह नफरत प्यार में बदल गई। दो दशक पहले शुरू हुई इस प्रेम कहानी के बाद दोनों एक दशक पहले जीवनसाथी बने। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में अपनी एक हॉकी स्टिक पर भी अनीश्या का नाम लिखा था। कुछ समय पहले भाषा को दिए इंटरव्यू में अनीश्या ने कहा था कि श्रीजेश के संन्यास से पत्नी के रूप में उन्हें खुशी है कि अब उनका अधिक समय मिलेगा लेकिन उनकी प्रशंसक होने के नाते वह दुखी है कि उन्हें मैदान पर नहीं देख सकेंगी।

सुविचार

जिंदगी में कभी भी खुद की तुलना किसी और से मत करना, अगर आप कर रहे हो तो, आप खुद का ही अपमान कर रहे हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाशक्ति बने हिंदुस्तान

स्वतंत्रता दिवस का एक और सुप्रभात! सबको अनंत शुभकामनाएं। यह दिन हमारी आज़ादी का जश्न मनाने के साथ ही हमारे अनुभवों को ध्यान में रखते हुए भविष्य की राह तैयार करने के लिए संकल्प लेने का दिन भी है। पंद्रह अगस्त कोई सरकारी आयोजन मात्र नहीं है। इस दिन की अहमियत वे लोग ज्यादा बेहतर जानते हैं, जिन्होंने देश को ब्रिटिश साम्राज्यवाद से आज़ादी दिलाने के लिए बड़ी-बड़ी कुर्बानियां दी थीं। यह आज़ादी मुफ़्त में नहीं मिली है। इसके लिए कितने ही लोगों ने सीने पर गोलियां खाईं, कितने ही फांसी चढ़ गए और कितने ही लोग वर्षों तक काल कोठरी में कैद रहकर कोड़ों व बेंतों की मार बर्दाश्त करते रहे। ऐसे अनगिनत नाम हैं, जो बलिदान होकर भी गुमनाम रह गए। यह उन सभी बलिदानियों, योद्धाओं और पुण्यात्माओं को नमन करने का दिन है। अगर उन्होंने उस वक्त गुलामी का शिकंजा तोड़ने के लिए जोर नहीं लगाया होता तो हमारा भारत वह भारत नहीं होता, जो आज है। भारत ने तमाम बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। तकनीक के क्षेत्र में भारतवासियों की प्रतिभा का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में बढ़ते कदमों से लेकर अंतरिक्ष अभियानों में कामयाबी तक, भारत की धाक से कोई अनजान नहीं है। हां, हमारे रास्तों में कई चुनौतियां भी हैं; कुछ छोटी और कुछ बड़ी, लेकिन हमें उनसे निपटना आता है। भारत ने बड़ी-बड़ी चुनौतियां देखी हैं। वे भी हमारी हिम्मत नहीं तोड़ पाईं, बल्कि हर चुनौती से टकराने के बाद हमारा देश और ज्यादा ताकतवर होकर उभरा।

आज भारत सरकार को चाहिए कि वह कुछ खास चुनौतियों के मामले में तेजी और अधिक कुशलता दिखाए। देश को अंग्रेजों से तो मुक्ति मिल गई, अब घुसपैठियों से भी मुक्ति मिलनी चाहिए। बांग्लादेश, म्यांमार और अन्य देशों के जो भी नागरिक यहां अवैध ढंग से रह रहे हैं, उन्हें स्वदेश भेजने के लिए बड़ी पहल करनी होगी। देश में समान नागरिक संहिता के पक्ष में माहौल तैयार करने की जरूरत है। इसके लिए जनजागरूकता पैदा करनी होगी। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने, भरण-पोषण आदि मामलों में सुधारों का मार्ग प्रशस्त करना होगा। इसके साथ ही धर्मांतरण जैसी समस्या की ओर तुरंत ध्यान देकर कुछ बड़े कदम उठाने की जरूरत है। यह मामला इतना सीधा नहीं है, जैसा कि कुछ 'बुद्धिजीवी' दावा करते हैं। देश में आज भी बहला-फुसलाकर लोगों का धर्मांतरण करवाया जा रहा है। इसी से जुड़ा एक और मामला है- झूठी पहचान के साथ शादी करना। इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ कठोर फैसले जरूर लिए हैं। उसके कानून का अध्ययन करने के बाद जहां जरूरी हो, पीड़ितों के हितों की रक्षा के लिए कुछ और सुधारों के साथ इसे लागू करना चाहिए। धर्मांतरण भविष्य में देश की एकता और अखंडता के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। आज बेरोजगारी का दंश युवाओं को बहुत तकलीफ दे रहा है। यह उनके सपने तोड़ रहा है। सरकार को चाहिए कि वह निजी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा दे। देश में सरकारी नौकरियां इतनी नहीं हैं कि वे सबको मिल सकें। सरकारी नौकरियों के प्रति अत्यधिक आकर्षण से कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं। निजी क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत देकर ही भविष्य में बेहतरी की उम्मीद की जा सकती है। देश के शहर और महानगर आबादी के बोझ से दबे जा रहे हैं, जबकि गांव धीरे-धीरे खाली हो रहे हैं। इस पलायन को रोकने के लिए गांवों में शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार की ओर खास ध्यान देना होगा। सरकारी स्कूलों की दशा सुधारनी होगी। अगर 'मजबूत' गांव होंगे, तो वे महाशक्ति हिंदुस्तान की बुनियाद बनेंगे।

ट्वीटर टॉक

जोधपुर से मेड़ता जाते समय सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही दांतीवाड़ा-पीपाड़-मेड़ता सिटी स्टेट हाईवे-21 पर चल रहे कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। वहीं, मौके पर मौजूद इंजीनियर्स को गुणवत्तापूर्वक एवं निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

मोदी जी के हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत पूरा देश तिरंगामय हो रहा है। आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर तिरंगा लहरा कर देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले नायकों को याद किया।

-अमित शाह

मैं किसान और युवाओं दोनों की पीड़ा को समझता हूं। कैसे किसान संघर्ष कर अपने बच्चों को पढ़ाता है, उसके बाद जब पेपर लीक हो जाता है तो उसके सपने बिखर जाते हैं। लेकिन अब युवाओं के सपनों को पूरा किया जाएगा।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

एक बूंद से मुनाफा

रॉकफेलर (1916 में अमेरिका के पहले अरबपति) अमेरिका के धनी व्यक्तियों में से एक थे। किस्सा उन दिनों का है जब उन्होंने तेल कंपनी शुरू की थी। वे कभी-कभी खुद मशीनों की देखभाल भी करते थे। एक दिन की बात है वह एक मशीन को बहुत गौर से देख रहे थे। वह मशीन तेल से भरे कनस्तरों को रांग के टांकों से बंद कर रही थी। उन्होंने गिना कि एक कनस्तर के टांके में रांग की 40 बूंदें इस्तेमाल हो रही हैं। उन्होंने फोरमैन को पूछा, क्या आपने इस बात की जांच की है कि ढक्कन बंद करने के लिए कितनी बूंदों की जरूरत है।

यह सुनकर फोरमैन सकपका गए। रॉकफेलर ने फौरन इसकी जांच करवाई तो पाया कि 39 बूंदें ढक्कन को उतनी ही मजबूती से बंद कर सकती हैं जितनी 40. बस उन्होंने तत्काल आदेश दिया कि अब कनस्तर बंद करने के लिए 39 बूंदें इस्तेमाल की जाएं। साल भर बाद हिसाब लगाया गया तो सबकी आंखें खुली रह गईं। एक बूंद रांगे की बचत से कंपनी को साढ़े सात लाख डॉलर की अतिरिक्त कमाई हुई थी।

सामयिक

देश के प्रत्येक नागरिक में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आम देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आज़ादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया, उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा, जो शहीदों को अमृत महोत्सव पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

'तिरंगा' के संदर्भ में भारत और भारतीयता

हर्षवर्धन पाण्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है। आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान लोगों को अपने-अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में तिरंगा लहरा कर भारत के गौरव को पहचानने और इसकी रक्षा के लिए तन-मन-धन से समर्पित होने को सन्नद करने की एक अभिनव पहल है। राष्ट्रीय ध्वज संपूर्ण राष्ट्र की गरिमा एवं प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दर्शाने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केंद्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है।

इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ़ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को 'सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था, लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे। भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। होम रूल आंदोलन के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निर्देशों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद, भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। श्रीमती सुरैया बद्र-उद-दीन तैयबजी द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं,जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दर्शाती है, बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दर्शाती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है, जिसमें 24 आरे (तीलियाँ) होते हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था। भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था।

भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छ: जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह चक्र 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। हाल सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था। हाल ही में देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है।

15 अगस्त आज़ाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आज़ादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की दुनिया में साख मजबूत हुई है और दुनिया में भारत का डंका बजा है। सरकार के हर-घर तिरंगा अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और राष्ट्रवाद प्रबल होगा। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति, धर्म, संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

देश के प्रत्येक नागरिक में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आम देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आज़ादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन-मन न्यौछावर कर दिया, उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा, जो शहीदों को अमृत महोत्सव पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

नजरिया

हर घर तिरंगा अभियान, रखें ध्वज का मान

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

भारत की स्वतंत्रता के 77वें वर्ष के जश्न के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया है। अभियान में भाग लेते समय भारतीय ध्वज संहिता को समझना जरूरी है। 'हर घर तिरंगा' आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में एक अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को तिरंगे को घर लाने और भारत की आज़ादी के 77वें वर्ष के उपलक्ष्य में इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों में झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सार्वभौमिक स्नेह, सम्मान और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का फहराना/उपयोग/प्रदर्शन राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित होता है। भारतीय ध्वज संहिता राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के लिए सभी कानूनों, सम्मेलनों, प्रथाओं और निर्देशों को एक साथ लाती है। यह निजी, सार्वजनिक और सरकारी संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन को नियंत्रित करता है। अपना राष्ट्रीय ध्वज यानी तिरंगा। इसको लहराते देख गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है। इस के सम्मान में इसे सैल्यूट करने का मन चाहता है।

सबसे पहले 7 अगस्त 1906 कलकत्ता (अब कोलकाता) में 'लोअर सर्कुलर रोड' के पास पारसी बागान स्क्वायर पर पहला राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। उस समय इसमें लाल, पीले और हरे रंग की तीन क्षैतिज पट्टियाँ बनी हुई थीं। इसके बाद, कई बदलावों से गुजरते हुए यह राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा द्वारा इसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार किया गया। इसके मौजूदा स्वरूप

को डिजाइन करने में स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकय्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौजूदा राष्ट्रीय ध्वज में सबसे ऊपर गहरा केसरिया, बीच में सफ़ेद और सबसे नीचे गहरा हरा रंग बराबर अनुपात में है। झंडे की चौड़ाई और लम्बाई का अनुपात 2:3 है। सफ़ेद पट्टी के केंद्र में गहरा नीले रंग का चक्र है, जिसका प्रारूप अशोक की राजधानी सारनाथ में स्थापित सिंह के शीर्षफलक के चक्र में दिखने वाले चक्र की तरह है। चक्र की परिधि लगभग सफ़ेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर है। चक्र में 24 तीलियाँ हैं। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों का कोई दुरुपयोग ना करे, कोई इनका अपमान न करे। इसी को ध्यान में रखते हुए साल 1950 में प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग रोकथाम) अधिनियम, 1950 लाया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज, सरकारी विभाग द्वारा उपयोग किये जाने वाले चिह्न, राष्ट्रपति या राज्यपाल की आधिकारिक मुहर, महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री के चित्रमय निरूपण तथा अशोक चक्र के उपयोग को प्रतिबंधित करता है। इसके बाद राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 लाया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज, संविधान, राष्ट्रगान और भारतीय मानचित्र समेत देश के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को प्रतिबंधित करता है।

जब भी ध्वज फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहाँ से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी भवनों पर रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी ध्वज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है। यानी आमतौर पर सूर्यास्त के बाद ध्वज को फहराने की अनुमति नहीं है। ध्वज को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए।

फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि ध्वज को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए। ध्वज का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुँह श्रोताओं की ओर हो तो ध्वज उनके दाहिने ओर हो। ध्वज किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए। ध्वज पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए और फटा या मैला ध्वज नहीं फहराया जाता है। अगर ध्वज फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में मर्यादित तरीके से पूरी तरह से नष्ट किया जाना चाहिए। ध्वज केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है किसी दूसरे ध्वज या पताका को राष्ट्रीय ध्वज से ऊँचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा तिरंगे का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिये नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा ध्वज का उपयोग उत्सव के रूप में या किसी भी प्रकार की सजावट के लिये नहीं किया जाना चाहिये। भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी 2002 को प्रभावी हुई। भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को 30 दिसंबर, 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया था। अब, राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते और हाथ से बुने हुए या मशीन से बने, कपास/पॉलिएस्टर/ऊनी/रेशम खादी के बने होंगे। जनता का एक सदस्य, एक निजी संगठन या एक शैक्षणिक संस्थान राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और सम्मान के अनुरूप, सभी दिनों और अवसरों पर, समारोह में या अन्यथा, राष्ट्रीय ध्वज फहरा/प्रदर्शित कर सकता है। भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को 19 जुलाई, 2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया था। अब, जब झंडा खुले में प्रदर्शित किया जाता है या जनता के किसी सदस्य के घर पर प्रदर्शित किया जाता है, तो इसे दिन और रात फहराया जा सकता है। राष्ट्रीय ध्वज का आकार आयताकार होगा। झंडा किसी भी आकार का हो सकता है लेकिन झंडे की लंबाई और ऊंचाई (चौड़ाई) का अनुपात 3:2 होगा। पहले ध्वज को खुले में सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराने की ही अनुमति थी। अब कोई भी भारतीय नागरिक, निजी या शैक्षणिक संस्थान सभी दिवसों और अवसरों पर दिन-रात राष्ट्रीय ध्वज के गौरव और सम्मान के अनुरूप तिरंगा फहरा सकता है।

अब कपास, ऊन, रेशम और खादी के हाथ से बुने, हाथ से सिले और मशीन से बने ध्वज के अलावा पॉलिएस्टर से बने या सिले ध्वज के उपयोग की भी अनुमति दे दी गई है। डेमेज हुए झंडों को दफनाने के लिए सभी डैमेज हुए झंडों की तह बनाकर लकड़ी के बॉक्स में रखा जाता है। फिर उसे सुरक्षित स्थान पर जमीन में दफनाया जाता है। ऐसा करते वक्त शांतिपूर्ण माहौल होना चाहिए। झंडे को जलाने के लिए सुरक्षित जगह चुनें, झंडे को ढंग से तह करें और उसे ध्यान से आग पर रख दें। झंडों को फेंके नहीं, कूड़ेदान में भी नहीं डालें। घर पर लगे झंडों को तह बनाकर घर में रखे। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लोगों ने अपने घरों में झंडे लगाए हैं। ऐसे में लोग सम्मान के साथ इन तिरंगों को साफ करके प्रेस करके घर के अंदर उन्हें संभालकर रख सकते हैं। इन झंडों का इस्तेमाल अगले साल के लिए किया जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्तराखंड : रुद्रप्रयाग को कर्मभूमि बनाने वाले स्वतंत्रता सेनानी शाह के संघर्षों को नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले में जन्मे और रुद्रप्रयाग को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले शेर सिंह शाह देश के उन भूले बिसरे योद्धाओं में शामिल हैं, जिनके संघर्षों को आजादी के उत्सव में नमन किया जा रहा है।

केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट की सूची में दिवंगत शाह को स्थान मिलने से उत्साहित उनके पौत्र कुंवर सिंह ने बताया कि हमारे दादा ने पहले आजादी के आंदोलन में हिस्सा लिया और उसके हासिल होने के बाद समाजसेवा को अपने जीवन का ध्येय बना लिया। उन्होंने 'पीटीआई भाषा' से कहा कि निर्धन मेधावी विद्यार्थियों की सहायता के लिए उनके नाम पर गठित ट्रस्ट आज भी मौजूद है।

शाह का जन्म 16 सितम्बर 1912 को चमोली जिले के दशोली विकास खंड के सोनला गांव में हुआ था। जोशीमठ में प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद वह रुद्रप्रयाग के गुप्तकाशी में नाला ग्राम में बस गए और अपना पैतृक स्वर्णकारी का व्यवसाय प्रारम्भ किया।

केदारनाथ में अपने दादा के पैतृक व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे सिंह ने बताया कि इसके बाद शाह की कर्मभूमि गुप्तकाशी और केदारघाटी रही। गुप्तकाशी के केदारनाथ का प्रमुख पड़ाव होने से शाह ने अपने पैतृक व्यवसाय के साथ ही धार्मिक साहित्य,

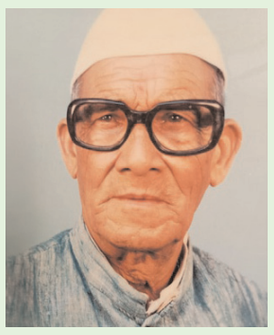

फोटो, गाइड बुक और यात्रा मार्ग संबंधी मानचित्र भी तीर्थ यात्रियों को सुलभ कराए।

सिंह ने बताया कि दिवंगत शाह की बचपन से ही सामाजिक कार्यों में रुचि थी और देशभर के तीर्थयात्रियों के आवागमन तथा राष्ट्रीय स्तर पर गांधी जी के आंदोलन के कारण उनकी रुचि आजादी के आंदोलन की ओर भी बढ़ने लगी। उन्होंने कहा कि हांलांकि, दिवंगत शाह 1935 में ही कांग्रेस की सदस्यता ले चुके थे लेकिन 1940 में क्षेत्र के जननेता अनुसूया प्रसाद बहुगुणा से प्रेरित हो कर उन्होंने सक्रिय राजनीति में भाग लेना प्रारंभ कर दिया।

बहुगुणा के नेतृत्व में 1941 में शाह ने अपने साथी मदन लाल शुक्ल के साथ केदारघाटी में व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग लिया और 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन घाटी में गूंजने लगा।

बाद में, बहुगुणा के अस्वस्थ होने के कारण शाह ने आंदोलन की कमान अपने हाथों में संभाली, जिसके बाद राजद्रोह के आरोप में उन्हें ढाई वर्ष की सजा सुना कर अदालत ने जेल भेज दिया। वर्ष 1945 में जेल से रिहा होने के बाद शाह ने चमोली तहसील में कांग्रेस के संगठन को खड़ा करने में सक्रिय योगदान दिया। सिंह ने बताया कि स्वाधीनता प्राप्ति के बाद उन्होंने समाज सेवा को अपना ध्येय बना लिया। शाह को गढ़वाल सहकारी सभा का मैनेजर नियुक्त किया गया और 1948 से 1962 तक वह जिला बोर्ड गढ़वाल के सदस्य रहे। उन्होंने गढ़वाल में सहकारिता आन्दोलन को बढ़ावा देने के अलावा, गुप्तकाशी के निकट विद्यापीठ की स्थापना की और फिर इसका प्रबंधक बन इस संस्थान को उत्तर प्रदेश में अग्रणी बनाने में अथक प्रयास किए। सिंह ने बताया कि उनके दादा का एक अन्य उल्लेखनीय कार्य 1978 में निर्धन मेधावी बच्चों के लिए धर्मादा ट्रस्ट की स्थापना करना था। अपनी दानशीलता के गुण के चलते उन्होंने अपनी अर्जित संपत्ति को समाज कल्याण में लगा दिया। वर्ष 991 में शाह का निधन नाला गांव में हुआ। सिंह ने बताया कि उनका पूरा बचपन दादा के साथ बीता और इस दौरान उन्होंने देखा कि जरूरतमंदों को बेहतर सुविधा मिले, इसके लिए वह हमेशा चिंतित रहते थे। सिंह ने इस बात पर दुख जताया कि उनके दादा द्वारा स्थापित ट्रस्ट की वर्षों से बैठक नहीं हो पायी है, जिसके चलते निर्धन मेधावी बच्चों को सहायता नहीं दी जा पा रही है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि चमोली के जिलाधिकारी ट्रस्ट के पदेन अध्यक्ष हैं लेकिन वह उसे समय नहीं दे पा रहे हैं।

भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ करने के लिए उत्सुक बांग्लादेश : हुसैन

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के साथ मिलकर काम करना और द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाना चाहती है। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने बुधवार को यह बात कही। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत में रहते हुए दिया गया सार्वजनिक बयान बेहतर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल नहीं है। हुसैन ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा से शिष्टाचार मुलाकात के बाद यह बात कही। बैठक के दौरान उन्होंने बांग्लादेश में हुए हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। बांग्लादेश में हाल में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है और अल्पसंख्यकों व मंदिरों पर हमले हुए हैं। हुसैन ने बैठक के दौरान कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ मिलकर काम करना और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना चाहता है। हुसैन ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों समेत विभिन्न समुदायों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग की सरकार गिरने और अंतरिम सरकार का गठन होने के बाद वर्मा और तौहीद की यह पहली मुलाकात थी। नौकरियों में आरक्षण प्रणाली को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री हसीना पद से इस्तीफा देकर पांच अगस्त को देश छोड़कर भारत चली गई थीं।

हुसैन ने कहा कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार समावेशी व बहुलवादी लोकतंत्र सुनिश्चित करने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भागीदारीपूर्ण चुनाव कराने के लिए माहौल बनाने को लेकर प्रतिबद्ध है।

वर्मा ने पिछले बृहस्पतिवार यूनुस के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था। हुसैन ने कहा कि सरकार सभी धार्मिक व जातीय समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा या धमकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक समूह और अन्य राजनीतिक दल भी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस ने दावा किया कि पांच अगस्त को हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिरने के बाद से 48 जिलों में 278 स्थान पर हमले हुए हैं और उन्हें धमकाया गया है। अलायंस ने इसे हिंदू धर्म पर हमला करार दिया। हसीना के हालिया सार्वजनिक बयान का हवाला देते हुए हुसैन ने वर्मा से कहा कि भारत में रहते हुए दिए गए ऐसे बयान बेहतर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल नहीं हैं। हसीना ने अपने पद से हटने के बाद अपने पहले सार्वजनिक बयान में मंगलवार को न्याय की मांग करते हुए कहा कि हालिया आतंकवादी कृत्यों, हत्याओं व बर्बरता में शामिल लोगों के खिलाफ जांच की जानी चाहिए, उनकी पहचान की जानी चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

भारतीय राजनयिक से मुलाकात के दौरान हुसैन ने उन्हें बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह वीर छात्रों के नेतृत्व में हुए जन-विद्रोह के जरिए बांग्लादेश ने दूसरी आजादी हासिल की उन्होंने मुख्य सलाहकार के तौर पर नई जिम्मेदारी संभालने पर दी गई शुभकामनाओं के लिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

विभाजन 20वीं सदी की सबसे दुखद घटनाओं में से एक, इतिहास से सीख जरूरी : यादव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को भारत के विभाजन को 20वीं सदी की सबसे दुखद घटनाओं में से एक करार दिया और कहा कि किसी देश को आगे बढ़ने और प्रगति करने के लिए इतिहास से सीखने की जरूरत है।

भोपाल में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल के लोगों को अपनी मातृभूमि को वापस पाने के लिए 2,000 साल तक संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, भारत का विभाजन पिछली सदी की सबसे दुखद घटनाओं में से एक था, जिसे शब्दों में बयां भी नहीं किया जा सकता। लोग विभाजन के दर्द के बारे में बात नहीं करना चाहते, लेकिन अगर किसी देश को आगे बढ़ना है और प्रगति करनी है, तो उसे इतिहास की सीमाओं से सबक लेना होगा। यादव ने कहा, इजराइल के लोगों ने अपनी भूमि और राष्ट्र खो दिया और इसे वापस पाने में उन्हें 2,000 साल लग गए। लेकिन उन्होंने देशभक्ति दिखाई। दुनिया भर में फैले (इजराइल के) लोग साल में एक बार एक जगह इकट्ठा होते थे और शपथ लेते थे कि वे अगले साल अपने देश में मिलेंगे। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा होने में 2,000 साल लग गए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में कई पीढ़ियां खत्म हो गईं क्योंकि भारत के साथ ही इजराइल को भी आजादी मिली। उन्होंने कहा, मैंने यह उदाहरण इसलिए दिया ताकि आप आजादी की गंभीरता को समझ सकें।

तीस साल बाद अभिनय में वापसी करना चाहती हैं अभिनेत्री सोनम खान

मुंबई/एजेन्सी

बीते जमाने की एक्ट्रेस सोनम खान ने 30 साल के अंतराल के बाद फिर से अभिनय में करियर बनाने की इच्छा जताई है। उन्होंने इसके साथ ही 1992 की थ्रिलर फिल्म 'विश्वात्मा' के गाने 'दिल ले गई तेरी बिंदिया' की शूटिंग के दौरान की अपनी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर शेयर की। सोनम ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह एक सफेद चमकदार पोशाक में दिखाई दे रही हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''यह मेरे तीन साल के छोटे से करियर का आखिरी गाना था। फिल्म 'विश्वात्मा' के समय मेरी शादी हो चुकी थी। उस समय में महज 18 साल की थी। एक सफर खत्म हुआ, जिसे अब मैं पूरी गंभीरता के साथ और आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं फिर से काम करना चाहती हूं।'' 'विश्वात्मा' का निर्देशन राजीव राय ने किया था। वहीं गुलशन राय ने इसे प्रोड्यूस किया था। इसमें सनी देओल, नसीरुद्दीन शाह, चंकी पांडे, दिव्या भारती और ज्योस्तना सिंह ने अभिनय किया था। बॉलीवुड और तेलुगु इंडस्ट्री में अपने काम के लिए मशहूर सोनम दिग्गज अभिनेता मुराद की पोती हैं। उन्होंने 1987 में तेलुगु फ़िल्म 'सम्राट' से डेब्यू किया था। अभिनेत्री ने फिल्म 'त्रिदेव' के लोकप्रिय गाने 'ओए ओए...तिरछी टोपी वाले' से प्रसिद्धि पाई।

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 के शानदार आगाज पर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के क्विज़ शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के 16 वें सीजन के शानदार आगाज पर भावुक हो गये। लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के 16वें सीजन का शानदार आगाज हो चुका है। शो का प्रीमियर सोमवार रात 9 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर हुआ। अमिताभ बच्चन एक बार फिर से शो को होस्ट कर रहे हैं। वह कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन के साथ वापस लौटने पर भावुक होते नजर आए।

अमिताभ बच्चन ने शो के दौरान कहा,आज एक नए सत्र की शुरुआत हुई है, लेकिन आज मेरे पास शब्दों की कमी है और ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी भी शब्द में आपके प्यार के प्रति आभार व्यक्त करने की क्षमता नहीं है।आपकी प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं, जिसने कौन बनेगा करोड़पति को एक नया जीवन दिया, जिसने इस मंच को फिर से रोशन किया, और जिसने एक परिवार को फिर से जोड़ा और मुझे आपके बीच उपस्थित होने की अनुमति दी। मैं केबीसी के पुनर्निर्माण और पुनर्जन्म के लिए इस देश के लोगों को सलाम करता हूं। ये मंच आपका है, ये खेल आपका है और ये सीजन सिर्फ आपका है। आपके प्यार का सम्मान करने के लिए मैं दोगुनी मेहनत से आपके सामने उपस्थित होऊंगा। और मुझे विश्वास है कि आप मेरा हाथ पकड़कर मुझे आश्वस्त करते रहेंगे।

प्रचार

मुंबई में बुधवार को मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज में अभिनेता आदित्य सील, अक्षय कुमार, प्रज्ञा जायसवाल, तापसी पन्नू, वाणी कपूर और फरदीन खान।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में रानी मुखर्जी ने जारी किया डाक टिकट

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने 15वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024 से पूर्व ऑस्ट्रेलियाई संसद में दिग्गज फिल्म निर्माता स्वर्गीय यश चोपड़ा के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट लॉन्च किया। 13 अगस्त को 15वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024 के आयोजन से पहले एक भव्य समारोह ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन में हुआ, जिसमें रानी मुखर्जी ने दिग्गज फिल्म निर्माता स्वर्गीय यश चोपड़ा के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट लॉन्च किया। रानी मुखर्जी ने अपनी खुशी और उत्साह साझा करते हुए कहा कि वह इस तरह के महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनकर वास्तव में सम्मानित महसूस कर रही हैं।

उन्होंने कहा, ये न केवल यश चोपड़ा और वाईआरएफ की दुनिया भर में पॉप संस्कृति को आकार देने की समृद्ध और प्रभावशाली 50 साल पुरानी विरासत का जश्न है, बल्कि भारतीय फिल्म उद्योग का भी जश्न है, जिसने सिनेमा की शक्ति के माध्यम से अनगिनत लोगों का मनोरंजन किया है।मुझे इस महोत्सव को साल दर साल मजबूत होते हुए और भारत और ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक दिमागों को जोड़ने वाले पुल के रूप में काम करते हुए देखकर गर्व होता है। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न से पहले हुए इस खास इवेंट में रानी मुखर्जी के साथ करण जौहर भी मौजूद रहे, जिन्होंने आस्ट्रेलिया के संसद मे भाषण दिया।यह फिल्म समारोह 15 अगस्त से शुरू होगा और 25 अगस्त तक चलेगा।

देश भक्ति से परिपूर्ण फिल्म और गीतों के जरिये फिल्मकारों ने लोगों में देशभक्ति के जज्बे को बुलंद किया

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा जगत में देश भक्ति से परिपूर्ण फिल्मों और गीतों की एक अहम भूमिका रही है और इसके माध्यम से फिल्मकार लोगों में देशभक्ति के जज्बे को आज भी बुलंद करते हैं। हिन्दी फिल्मों में देश भक्ति फिल्म के निर्माण और उनसे जुड़े गीतों की शुरुआत 1940 के दशक से मानी जाती है। निर्देशक ज्ञान मुखर्जी की 1940 में प्रदर्शित फिल्म बंधन संभवतः पहली फिल्म थी जिसमें देश प्रेम की भावना को रुपहले परदे पर दिखाया गया था। यूं तो फिल्म बंधन मे कवि प्रदीप के लिखे सभी गीत लोकप्रिय हुये लेकिन चल चल रे नौजवान के बोल वाले गीत ने आजादी के दीवानों में एक नया जोश भरने का काम किया।वर्ष 1943 में देश प्रेम की भावना से ओत प्रोत फिल्म 'किस्मत' प्रदर्शित हुयी। फिल्म किस्मत में प्रदीप के लिखे गीत आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है, दूर हटो ए दुनियां वालो हिंदुस्तान हमारा है जैसे गीतों ने स्वतंत्रता सेनानियों को आजादी की राह पर बढ़ने के लिये प्रेरित किया। यूं तो भारतीय सिनेमा जगत में वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिये अब तक न जाने कितने गीतों की रचना हुयी है लेकिन ऐ मेरे वतन के लोगो जरा आंखों में भर लो पानी, जो शहीद हुये हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी जैसे देश प्रेम की अद्भुत भावना से ओत-प्रोत रामचंद्र द्विवेदी उर्फ कवि प्रदीप के इस गीत की बात ही कुछ और है। एक कार्यक्रम के दौरान देश भक्ति की भावना से परिपूर्ण इस गीत को सुनकर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की आंखों में आंसू आ गये थे।

वर्ष 1952 में प्रदर्शित फिल्म आनंद मठ का गीताबाली पर लता मंगेश्कर की आवाज में फिल्माया गीत वंदे मातरम आज भी दर्शकों और श्रोताओं को अभिभूत कर देता है। इसी तरह जागृति में, हेमंत कुमार के संगीत निर्देशन में मोहम्मद रफी की आवाज में रचा बसा यह गीत 'हम लाये हैं तूफान से कश्ती निकाल के' श्रोताओं में देशभक्ति की भावना को जागृत किये रहता है।आवाज की दुनिया के बेताज बादशाह मोहम्मद रफी ने कई फिल्मों में देशभक्ति से परिपूर्ण गीत गाये हैं। इन गीतों में कुछ हैं ये देश है वीर जवानों का, वतन पे जो फिदा होगा अमर वो नौजवान होगा, अपनी आजादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं, उस मुल्क की सरहद को कोई छू नहीं सकता जिस मुल्क की सरहद की निगाहबान है आंखें, आज गा लो मुस्कुरा लो महफिले सजा लो, हिंदुस्तान की कसम न झुकेंगे सर वतन के नौजवान की कसम, मेरे देशप्रेमियों आपस में प्रेम करो देशप्रेमियों आदि।

कवि प्रदीप की तरह ही प्रेम धवन भी ऐसे गीतकार के तौर पर याद किया जाता है जिनके ऐ मेरे प्यारे वतन, मेरा रंग दे बसंती चोला, ऐ वतन ऐ वतन तुझको मेरी कसम जैसे देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत गीत आज भी लोगों के दिलों दिमाग में देश भक्ति के जज्बे को बुलंद करते है। फिल्म काबुली वाला में पार्श्वगायक मन्ना डे की आवाज में प्रेम धवन का रचित यह गीत ए मेरे प्यारे वतन, ऐ मेरे बिछड़े चमन आज भी श्रोताओं की आंखों को नम कर देता है। इन सबके साथ वर्ष 1961 में प्रेम धवन की एक और सुपरहिट फिल्म हम हिंदुस्तानी प्रदर्शित हुयी जिसका गीत छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी सुपरहिट हुआ। वर्ष 1965 में निर्माता-निर्देशक मनोज कुमार के कहने पर प्रेम धवन ने फिल्म शहीद के लिये संगीत निर्देशन किया। यूं तो फिल्म शहीद के सभी गीत सुपरहिट हुये लेकिन ऐ वतन ऐ वतन और मेरा रंग दे बंसती चोला आज भी श्रोताओं के बीच शिद्दत के साथ सुने जाते हैं। भारत-चीन युद्ध पर बनी चेतन आंनद की वर्ष 1965 में प्रदर्शित फिल्म हकीकत भी देश भक्ति से परिपूर्ण फिल्म थी। मोहम्मद रफी की आवाज में कैफी आजमी का लिखा यह गीत कर चले हम फिदा जानों तन साथियों अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों आज भी श्रोताओं में देशभक्ति के जज्बें को बुलंद करता है।

देशभक्ति से परिपूर्ण फिल्में बनाने में मनोज कुमार का नाम विशेष तौर पर उल्लेखनीय है। शहीद, उपकार, पूरब और पश्चिम, क्रांति, जय हिंद द प्राइड जैसी फिल्मों में देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत के गीत सुन आज भी श्रोताओं की आंखे नम हो जाती हैं।

जे.पी.दत्ता और अनिल शर्मा ने भी देशभक्ति से लबरेज कई फिल्मों का निर्माण किया है।इसी तरह गीतकारों ने कई फिल्मों में देशभक्ति से परिपूर्ण गीत की रचना की है इनमें जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती हैं बसेरा वो भारत देश है मेरा ए वतन ऐ वतन तुझको मेरी कसम, नन्हा मुन्ना राही हूं देश का सिपाही हूं,है, प्रीत जहां की रीत सदा मैं गीत वहां के गाता हूं, मेरे देश की धरती सोना उगले, दिल दिया है जां भी देंगे ऐ वतन तेरे लिये, भारत हमको जां से प्यारा है, ये दुनिया एक दुल्हन के माथे की बिंदिया ये मेरा इंडिया, सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी , जिंदगी मौत ना बन जाये संभालो यारो, सरफरोश, मां तुझे सलाम, थोड़ी सी धूल मेरी धरती की मेरी वतन की आदि हैं।

फिल्म एक्टर सचिन खेड़ेकर ने दी हज़रत ख्वाज़ा गरीब नवाज के दरबार में हाजिरी

अजमेर/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्म जिद्दी, सिंगम, सलाखें और नेता जी सुभाष चंद्र बॉस जैसी कई फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी के जलवे दिखाने वाले एक्टर सचिन खेड़ेकर अजमेर शरीफ पहुंचे।

जहां उन्होंने सूफी हज़रत ख्वाज़ा गरीब नवाज रहमातुल्लाह अलेही की दरग़ाह पर चादर पोषी की और अपनी ज़िंदगी मे क़ामयाबी की दुआ मांगी। बॉलीवुड दुआगो व दरग़ाह के ख़ादिम सैय्यद कुतबुद्दीन सखी ने सचिन को ज़ियारत कराई और दस्तारबंदी कर दरबार का तबर्रुक पेश किया। दरग़ाह हाज़री के बाद सचिन खेड़ेकर ने मीडिया से गुफ़्तगू करते हुए बताया कि 10 साल बाद वापस अजमेर आना हुआ है।

अजमेर जिला में उनकी नई फिल्म बयान की शूटिंग भी चल रही है जिसमे फ़िल्म अदाकारा हुमा कुरैशी और एक्टर चंद्रचूड़ भी अहम किरदार में है। सचिन ने बताया कि वेब सीरीज़ और सिनेमाघरों में ऑडियंस के देखने का तरीका बदल गया है। जबकि फैमली ऑडियंस वेब सीरीज को घर मे सबके साथ मिलकर नही देख सकते और जबकि सिनेमा घरों में फैमली के साथ फिल्में एंजॉय करते है। सचिन खेड़ेकर ने कहा कि फिल्मों के साथ साथ अब वो नए शो में भी जल्द नज़र आएंगे।

उन्हें उम्मीद है कि ख्वाज़ा साहब की निगाहे करम उनकी ज़िंदगी पर खुशियां और तरक़्क़ी का रास्ता बनेगी। सचिन खेड़ेकर ने जन्नती दरवाजे पर मन्नत की धागा भी बांधा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

Department of
Information & Public Relations

'Real freedom will come not by the acquisition of authority by a few, but by the acquisition of the capacity by all' – Mahatma Gandhi

Shakthi

has enabled
270 crore
free trips to women
and girls worth
Rs. 6,541 crore

Gruha Jyothi

has lit up
1.6 crore homes
by providing up to
200 units of free
electricity amounting to
Rs. 8,844 crore

Gruha Lakshmi

has empowered
1.25 crore
women by transferring
Rs. 2000 each per
month amounting to
Rs. 25,259 crore

Anna Bhagya

Government has disbursed
Rs. 170 each to
4.08 crore people
every month in lieu of 5kg
of additional food grains
amounting to
Rs. 7,763 crore

Yuva Nidhi

has empowered
1.31 lakh youth
by transferring
Rs.1500-Rs.3000
to diploma holders and
graduates amounting to
Rs. 91 crore

'Real freedom comes when all sections of the society achieve...
Freedom from hunger
Freedom from poverty
Freedom from darkness
Freedom from shackles
Freedom from unemployment'

Sri D. K. Shivakumar
Hon'ble Deputy Chief Minister

Sri Siddaramaiah
Hon'ble Chief Minister

KARNATAKA GOVERNMENT
GUARANTEE GOVERNMENT

DELIVERED AS PROMISED...

Shakthi – FREE BUS Service for women across Karnataka

Gruha Jyothi – Up to 200 Units of Free Electricity to each home

Gruha Lakshmi – ₹2000 per month to female head of the family

Anna Bhagya – 10kg Free Food Grains (per person / per month) Rs. 170 per head in lieu of 5kg food grains

Yuva Nidhi – ₹3000 Per month for Graduates | ₹1500 Per month for Diploma Holders

As enshrined in our Constitution - to safeguard public property and to abjure violence is the fundamental duty of every citizen of India.

CMofKarnataka dipr.karnataka.gov.in

karnataka information

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com